राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 47 | जौनपुर सोमवार, 29 सितम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

बिहार विधानसभा चुनाव और उपचुनावों के लिए 470 पर्यवेक्षक तैनात करेगा निर्वाचन आयोग

बिहार, (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव और सात विधानसभा उपचुनावों के लिए 470 अधिकारियों को अपने पर्यवेक्षकों के रूप में तैनात करेगा। आयोग ने रविवार को एक बयान में कहा कि 470 पर्यवेक्षकों में से 320 आईएएस अधिकारी, 60 आईपीएस और 90 अन्य सेवाओं से हैं। चुनाव के दौरान सामान्य, पुलिस और व्यय पर्यवेक्षकों को निगरानी के लिए तैनात किया जाता है। इन पर्यवेक्षकों की एक 'ब्रीफिंग' तीन अक्टूबर को यहां निर्धारित है, जो आयोग द्वारा बिहार में चुनाव तैयारियों की समीक्षा करने के लिए बिहार के दौरे से एक दिन पहले है। बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है और नवंबर में चुनाव होने की संभावना है।

शिअद अध्यक्ष ने बाढ़ के मुआवजे में कथित देरी को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री पर निशाना साधा

पंजाब, (एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने शनिवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान पर आरोप लगाया कि उन्होंने पंजाब के बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए धन जारी करने में सरकार की विफलता को छिपाने के लिए राज्य विधानसभा की विशेष बैठक में 'नाटक रचा'। बादल ने यहां जारी एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री को पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र का उपयोग बाढ़ से क्षतिग्रस्त सभी फसलों को शामिल करने के लिए मुआवजे का दायरा बढ़ाने के लिए करना चाहिए था और यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि मुआवजा प्रति किसान पांच एकड़ तक सीमित न रहे और इसे बढ़ाकर 50,000 रुपये प्रति एकड़ किया जाए। बादल ने कहा, लेकिन उन्होंने दुष्प्रचार में शामिल होने के लिए करोड़ों रुपये बर्बाद करने का विकल्प चुना। उन्होंने कहा, केंद्र से पर्याप्त मुआवजे की मांग करना अच्छी बात है,।

वांगचुक की गिरफ्तारी घोर अन्याय है – जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री

कश्मीर, (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने शनिवार को कहा कि जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को हिरासत में लेना घोर अन्याय है और लोकतंत्र के साथ मजाक है। पुलिस ने वांगचुक को शुक्रवार को गिरफ्तार किया था और उन्हें राजस्थान की जोधपुर जेल भेज दिया गया। इससे दो दिन पहले लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में इसे शामिल करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिसमें लद्दाख में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 अन्य घायल हो गए थे। चौधरी ने यहां एक समारोह से इतर संवाददाताओं से कहा, ''वह (वांगचुक) ग्लोबल वार्मिंग और सार्वजनिक मुद्दों पर बोल रहे थे और बिना किसी गलती के उन्हें राजस्थान की जोधपुर जेल भेजना अन्याय है और लोकतंत्र के साथ मजाक है।'' उन्होंने कहा कि अधिकारियों को आगजनी करने वालों को गिरफ्तार करना चाहिए था। चौधरी ने पूछा, उनका (वांगचुक) क्या कसूर था? आज तो ऐसा माहौल है ।

ऐसा सबक सिखाएंगे कि आने वाली पीढ़ी दंगा करना भूल जाएगी : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक दिन पहले बरेली में पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच हुई झड़प को लेकर कड़ा रुख अख्तार करते हुए शनिवार को कहा कि ''(दंगाइयों को) ऐसा सबक सिखाएंगे कि आने वाली पीढ़ी दंगा करना भूल जाएगी।'' एक मीडिया संस्थान के ''विकसित उत्तर प्रदेश विजन–2024'' कार्यक्रम में बरेली मामले को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने सख्त संदेश दिया है कि कानून–व्यवस्था में खलल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में बिना किसी का नाम लिए कहा, ''कल आपने बरेली के अंदर देखा होगा... वो मौलाना भूल गया कि

शासन किसका है, उसने सोचा कि धमकी देंगे और जाम कर देंगे, मैंने कहा जाम नहीं होगा, कर्फ्यू नहीं लगेगा. .. सबक तुम्हें ऐसा सिखा देंगे कि तुम्हारी आने वाली पीढ़ी दंगा करना भूल जाएगी।'' योगी की यह चेतावनी इत्तेहाद–ए–मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलवी तौकीर रजा खान की तरफ प्रतीत हो रही है, जिन्होंने शुरुआत में ''आई लव मोहम्मद'' अभियान के समर्थन में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। बरेली में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद एक मस्जिद के बाहर इकट्ठा हुए स्थानीय लोगों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने पुष्टि की थी कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू है, जिसके तहत किसी भी मार्च या प्रदर्शन के लिए लिखित अनुमति आवश्यक है। इसके बावजूद कुछ लोग सड़कों पर उतर आए और शांति भंग करने का प्रयास किया, जिसके कारण पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की और 24 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि स्थानीय धर्मगुरु और इत्तेहाद–ए–मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा के आह्वान पर कई प्रदर्शनकारी है।

पीएम ने स्वदेशी अपनाने पर दिया जोर लता मंगेशकर को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 126वां एपिसोड रविवार को जारी किया गया। इस दौरान उन्होंने श्रोताओं से कहा, मन की बात में आप सभी से जुड़ना, आप सभी से सीखना, देश के लोगों की उपलब्धियों के बारे में जानना, वाकई मुझे बहुत सुखद अनुभव देता है। एक दूसरे के साथ अपनी बातें साझा करते हुए, अपने मन की बात करते हुए, हमें पता ही नहीं चला, इस कार्यक्रम ने 125 एपिसोड पूरे कर लिए हैं। उन्होंने कहा, आज इस कार्यक्रम का 126वां एपिसोड है और आज के दिन के साथ कुछ विशेषताएं भी जुड़ी हैं। आज भारत की दो महान विभूतियों की जयंती है। मैं बात कर रहा हूं शहीद भगत सिंह और लता दीदी की। साथियों, अमर शहीद भगत सिंह हर भारतवासी, विशेषकर देश के युवाओं के लिए

एक प्रेरणा पुंज हैं। निर्भीकता उनके स्वभाव में कूट–कूटकर भरी थी। देश के लिए फांसी के फंदे पर झूलने से पहले भगत सिंह जी ने अंग्रेजों को पत्र भी लिखा था। उन्होंने कहा था कि मैं चाहता हूं कि आप मेरे और मेरे साथियों से युद्धबंदियों से जैसा व्यवहार करें। इसलिए हमारी जान फांसी से नहीं, सीधा गोली मारकर ली जाए। यह उनके अदम्य साहस का प्रमाण है। भगत सिंह लोगों की पीड़ा के प्रति भी बहुत संवेदनशील थे और उनकी मदद में हमेशा आगे रहते थे। मैं शहीद भगत सिंह को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने आगे कहा, साथियों, आज लता मंगेशकर की भी जयंती है। भारतीय संस्कृति और संगीत में रुचि रखने वाला कोई भी उनके गीतों को सुनकर अभिभूत हुए बिना नहीं रह सकता। उनके गीतों में वह सबकुछ है,।

अमित शाह ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री से बात कर रैली में भगदड़ पर रिपोर्ट मांगी

तमिलनाडु, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से करूर में अभिनेता एवं टीवीके प्रमुख विजय की रैली में मची भगदड़ के बाद की स्थिति की जानकारी ली और उन्हें स्थिति से निपटने के लिए हर संभव केंद्रीय सहायता का आश्वासन दिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस घटना पर तमिलनाडु सरकार से रिपोर्ट भी मांगी है। करूर में अभिनेता–राजनेता विजय की रैली में मची भगदड़ में कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्रालय ने तमिलनाडु सरकार को भेजे पत्र में भगदड़ की स्थिति और पीड़ितों के बचाव एवं उपचार के लिए उठाए गए कदमों के बारे में विस्तृत जानकारी देने को कहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने और शाह ने इस घटना में हुई मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि श्तमिलनाडु के रैली में हुई दुखद दुर्घटना से अत्यंत दुखी हूं। निर्दोष लोगों की जान जाना सचमुच हृदयविदारक है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। घायलों के

जल्द से जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी भगदड़ की घटना में कई लोगों की मौत पर दुख जताया। राहुल गांधी ने कहा– दुखद घटना से बहुत दुखी हूं जिसने कई बहुमूल्य जिंदगियां छीन लीं। मेरी संवेदनाएं उनके प्रियजनों के साथ हैं और मैं उन सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी घटना पर दुख जताया और पीडिघ्तों के प्रति संवदेना जताई। उधर, सत्तारूढ़ द्रमुक ने भगदड़ को लेकर विजय पर निशाना साधा।

करूर में हुई भीषण दुर्घटना का वर्णन करने में असमर्थ -सीएम स्टालिन

करूर, (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने करूर भगदड़ को लेकर कहा कि घटना की सच्चाई जांच आयोग के जरिये सामने आएगी। सच्चाई सामने आने के बाद सख्त कार्रवाई जरूर की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभी मैं राजनीतिक मकसद से कुछ नहीं कहना चाहता हूं। करूर में शनिवार को तमिलनाडु वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता विजय की रैली में भगदड़ मच गई। घटना में 39 लोगों की मौत हो गई। जिसके बाद, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन करूर के लिए रवाना हो गए। चेन्नई से त्रिची पहुंचने के बाद वह सड़क मार्ग से करूर पहुंचे। जहां पर उन्होंने भगदड़ की घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। साथ ही पीड़ित परिवारों से मुलाकात भी

की। इसके अलावा, सीएम सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भी पहुंचे, जहां पर उन्होंने घायलों से मुलाकात की। इस दौरान सीएम स्टालिन ने कहा, जांच आयोग के जरिये सच्चाई सामने आएगी। मैं राजनीतिक मकसद से कुछ नहीं कहना चाहता। जांच आयोग के जरिये सच्चाई सामने आने के बाद सख्त कार्रवाई जरूर की जाएगी। मुख्यमंत्री स्टालिन ने आगे कहा कि अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल 51 लोगों का गहन चिकित्सा इकाई में इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा, श्हमारे राज्य के इतिहास में किसी राजनीतिक दल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान कभी नहीं गई और भविष्य में भी ऐसी त्रासदी कभी नहीं होनी चाहिए। भारी मन से मैं उन लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं, जिन्होंने अपनी जान गंवाई है। मृतकों के परिवारों को 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। घायलों को 1 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। मैंने एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक जांच आयोग के गठन का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने भगदड़ की घटना में मारे गए लोगों के प्रति गहरा दुख व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने कहा, श्मैं गहरे दुख के साथ यहां खड़ा हूं। मैं करूर में हुई भीषण दुर्घटना का वर्णन करने में असमर्थ हूं। कल शाम करीब 7:45 बजे, जब मैं चेन्नई में अधिकारियों से बात कर रहा था।

भाजपा -आरएसएस के निशाने पर है लद्दाख के लोग और संस्कृति - राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि लद्दाख के लोगों की संस्कृति और परंपराओं पर भाजपा और आरएसएस हमला कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों के मारे जाने को हत्या करार देते हुए कहा कि सोच समझकर लद्दाख की संस्कृति, परंपरा और वहां के लोगों की हत्या की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों की आवाज दबाई जा रही है इसलिए ही सोनम वांग्चुक को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि लद्दाख के अद्भुत लोग, उनकी संस्कृति और परंपराएं भाजपा और आरएसएस के हमले की चपेट में

हैं। लद्दाख के लोगों ने अपनी आवाज उठाई। भाजपा ने जवाब में चार युवाओं को गोली मार दी और सोनम वांगचुक को जेल में डाल दिया। हत्या बंद करो, हिंसा बंद करो, डराना–धमकाना बंद करो। उन्होंने आगे कहा, लद्दाख को आवाज दो। उन्हें छठी अनुसूची में शामिल किया जाए। उनकी यह टिप्पणी पिछले दिनों लेह में हुई हिंसा के बाद आई है। जिसमें सुरक्षा बलों की गोलीबारी में चार लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे। दंगों में कथित संलिप्तता के आरोप में अब तक 50 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि हिंसा प्रभावित लेह में रविवार को लगातार पांचवें दिन कर्फ्यू लागू रहा। उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता प्रतिबंधों में ढील देने पर फैसला लेने के लिए सुरक्षा समीक्षा बैठक करने वाले हैं। राज्य का दर्जा और लद्दाख में छठी अनुसूची के विस्तार के मुद्दे पर केंद्र के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान बुधवार को प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। शनिवार को लेह में चार घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील दी गई।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुए नड्डा

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को केरल को ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) मिलने की पुष्टि की, लेकिन सही समय और सही स्थान पर। नड्डा ने दक्षिणी कोल्लम जिले में भाजपा राज्य समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य को एम्स मिलेगा, हालांकि लंबित मांग के विशेष विवरण पर कोई टिप्पणी नहीं की। केरल में एम्स की स्थापना को लेकर लंबित बहस जारी है। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने कहा कि राज्य को एम्स से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री मंसुख मंडाविया और नड्डा ने इस मांग को सकारात्मक रूप से देखा है। केंद्रीय वित्त विभाग इस परियोजना पर विचार कर रहा है, और स्थान को लेकर बहस के कारण निर्माण रोकना उचित नहीं। नड्डा ने बैठक में कहा कि सभी राजनीतिक दल अपनी वैचारिक जमीन खो चुके हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल भाजपा ही

विचारधारा–आधारित और कैडर–आधारित पार्टी है। नड्डा ने कहा कि वामपंथ अब वामपंथ नहीं रहा, दक्षिणपंथ अब दक्षिणपंथ नहीं रहा। क्षेत्रीय दल पारिवारिक दल बनते जा रहे हैं। भाजपा प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और तीन तलाक जैसे राष्ट्रीय मुद्दों पर हमेशा स्पष्ट रही है। उन्होंने संगठनात्मक तैयारियों, स्थानीय निकाय चुनावों और केरल में पार्टी के जमीनी नेटवर्क को मजबूत करने पर चर्चा की। बैठक से पहले नड्डा कोल्लम में आध्यात्मिक गुरु माता अमृतानंदमयी की 72वीं जयंती समारोह में भी शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर लोगों को संबोधित कर आध्यात्मिक और सामाजिक संदेश दिए। राज्य में एम्स की स्थापना जनता की लंबे समय से प्रतीक्षित मांग है। स्थानीय प्रशासन और केंद्र सरकार के बीच समन्वय के बाद ही परियोजना के कार्य शुरू होंगे। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में यह कदम केरल के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

भाजपा के सत्ता से हटने पर ही किसानों को मिलेगी राहत : अखिलेश

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में पूरे प्रदेश का किसान खाद संकट से जूझ रहा है। खाद को लेकर हाहाकार है। खाद के लिए किसानों को लगातार लाइन लगानी पड़ रही है। कई जिलों की सहकारी समितियों में खाद नहीं है। किसानों को पिछले साल न गेहूं की फसल के लिए यूरिया, डीएपी मिली और न धान के लिए खाद मिली। अब आलू, चना–मटर और सरसों के लिए

खाद नही मिल रही है। खाद के लिए लाइनों में लगे किसानों की तबियत बिगड़ रही है। अखिलेश ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि खाद के लिए किसी की जान चली जाए और सरकार कुछ न करे। यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। आगरा के अकोला सहकारी समिति पर खाद के लिए तीन दिन से गोदाम के चक्कर लगा रहे किसान की लाइन में तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। इससे पहले भी किसानों की साथ इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। भाजपा सरकार में बड़े पैमाने पर खाद की कालाबाजारी हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने नौ साल में किसानों से झूठे वादे ही किए हैं। भाजपा सरकार में किसानों को लगातार धोखा मिल रहा है। जंगली जानवरों के हमलों से किसानों और गरीबों में दहशत का माहौल है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सत्ता से हटेगी तभी किसानों को खाद, बीज मिलेगा, तभी गरीबों की सुरक्षा होगी।

करूर में सियासी रैली के दौरान भगदड़

करूर, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने करूर भगदड़ पर कहा, तमिलनाडु में हुआ हादसा, जिसमें इतने लोगों की जान चली गई, बेहद दुखद है। मैं कहना चाहता हूं कि अगर शुरुआत से ही सावधानी बरती गई होती, तो यह नौबत नहीं आती। इस बात की जांच होनी चाहिए कि किसकी गलती से इन निर्दोष लोगों की जान गई और उन लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई होनी चाहिए। सरकार को इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए क्या कदम उठाने जरूरी हैं। बिहार उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने करूर भगदड़ पर कहा, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और इसमें कई युवाओं की जान चली गई। मुझे इस पर बहुत दुख है। मैं लोगों से विनम्र निवेदन करता हूं कि जब वे इतनी बड़ी भीड़ में हों तो अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें। पहले यह बेंगलुरु में हुआ और अब करूर में। ऐसा नहीं होना चाहिए। लोगों को अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए। टीवीके अध्यक्ष विजय ने रविवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी की रैली के दौरान भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों को 20 लाख रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि घायलों को 2 लाख रुपये दिए जाएंगे। विजय ने आगे कहा, ष्आपको जो नुकसान हुआ है, उसके लिए यह कोई बड़ी रकम नहीं है। मुझे पता है कि आपके नुकसान की भरपाई नहीं की जा सकती। यह एक अपूर्णीय क्षति है। हालांकि, इस घड़ी में आपके साथ खड़ा होना और आपका दुख साझा करना मेरा कर्तव्य है। भगदड़ पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, यह एक बहुत ही दुखद और दर्दनाक स्थिति है। हमारे देश में भीड़ प्रबंधन में कुछ गड़बड़ है। हर साल कोई न कोई हादसा होता रहता है। हमें बंगलूरू की याद आती है। जब हम इन भगदड़ों में बच्चों के मारे जाने की खबर सुनते हैं, तो बहुत दुख होता है। मेरे लिए, यह तर्क है कि हम आम लोगों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक व्यवस्थित नीति के रूप में क्या कर सकते हैं। लोग किसी राजनेता को सुनने के लिए, जो संयोग से एक फिल्म स्टार भी है, या क्रिकेटरों को देखने के लिए, जो हमारे लिए भी स्टार हैं, जाते हैं। मूल बात यह होनी चाहिए कि कुछ नियम, मानक और प्रोटोकॉल होने चाहिए... साथ ही, मैं केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों से आग्रह करता हूं कि वे किसी भी परिस्थिति में सभी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बहुत सख्त प्रक्रियाओं पर सहमत हों ताकि हमें इन भयानक भगदड़ों में अपनों के खोने का दुख और पीड़ा न झेलनी पड़े। करूर भगदड़ पर करूर से कांग्रेस सांसद ज्योतिमणि ने कहा, यह त्रासदी का समय है। हम पूरी तरह से टूट चुके हैं, क्योंकि यह एक बहुत छोटा शहर है और समाज आपस में बहुत जुड़ा हुआ है। हम एक परिवार की तरह रहते हैं। इस जगह पर इतनी बड़ी त्रासदी पहले कभी नहीं हुई। हमें इससे उबरने में वर्षों लगेंगे। मैं इस घटना के बाद से यहां हूं और मैंने उन सभी परिवारों से मुलाकात की है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। हम उन लोगों से मिले हैं जिनका इलाज चल रहा है।

संपादकीय

दूसरी या तीसरी शादी का हक नहीं

कोई मुसलमान पुरुष अपनी बीवी का भरण–पोषण करने में सक्षम नहीं है, तो उसे दूसरी या तीसरी शादी करने का हक नहीं है। केरल हाई कोर्ट ने 39 साल की महिला की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह कहा। पीड़िता ने भीख मांग कर गुजारा कर रहे पति से दस हजार रुपये मासिक गुजारा भत्ता मांगा है। 46 वर्षीय नेत्रहीन पति उसे छोड़कर पहली पत्नी के साथ रह रहा है, और तीसरा निकाह करने की धमकी दे रहा है। परिवार न्यायालय ने यह कह कर याचिका ठुकरा दी थी कि जो खुद भीख मांग कर गुजर कर रहा है, उसे गुजारा भत्ता देने का निर्देश नहीं दिया जा सकता। चूंकि प्रतिवादी मुसलमान है और पारंपरिक कानून का लाभ उठा रहा है, जो पुरुषों को चार शादियों का अधिकार देता है। हालांकि इस्लाम में जो शख्स दूसरीध्तीसरी बीवी का भरण–पोषण नहीं कर सकता है, वह भी प्रथागत कानून के अनुसार दोबारा निकाह नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि मुसलमानों में इस तरह की शादियां शिक्षा की कमी, धार्मिक कानूनों की जानकारी के अभाव के कारण होती हैं। कोई भी अदालत किसी मुसलमान पुरुष की दूसरीध तीसरी शादी को मान्यता नहीं दे सकती, जब वह अपनी पत्नियों के भरण–पोषण में असमर्थ हो। अदलत ने मुसलमानों के पवित्र ग्रंथ कुरान की आयतों की दलील देते हुए कहा कि बहुविवाह अपवाद है। पहली पत्नी, दूसरी, तीसरी और चौथी पत्नी को जो मुसलमान पति न्याय दे सकता है, तो एक बार से ज्यादा शादी जायज है। बेशक, मुसलमानों में बहुत छोटा सा तबका बहुविवाह करता है। इस मामले में अदालत ने भीख मांगने वाले को उचित परामर्श देने को कहा। बहुविवाह की शिकार बेसहारा पत्नियों की रक्षा करने को राज्य सरकार का कर्त्तव्य भी बताया। यह कहना भी गलत नहीं कहा जा सकता कि उसका पति विवाह के वक्त भी भिक्षावृत्ति ही करता रहा होगा। याचिकाकर्ता सब जानते–बूझते इस वैवाहिक बंधन में गई। तलाकयाफ्ता पत्नी का अधिकार है गुजारा–भत्ता मांगना। मगर महिलाओं को श्रम करके भी दो जून की रोटी कमाने का प्रयास करने में हिचकना नहीं चाहिए। राज्य सरकारों को निराश्रितों के खाने–जीने की सुविधा का जिम्मा उठाने की ठोस व्यवस्था करनी चाहिए। मस्जिदों, मौलवियों, समाज और न्यायपालिका को भी बहुविवाह पर उचित परामर्श देने का प्रयास करना चाहिए।

देश में आजादी के 75 साल बाद भी मेडिकल साइंस में पीछे क्यों

अजय दीक्षित

विकसित और यूरोपीय देशों की तुलना में भारत मेडिकल साइंस में बहुत पीछे हैं जबकि अन्य देशों की तुलना में हम सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं। भारत की तुलना में यूएस, यूरोपीय देश, सबसे आगे है।हम अपनी जनता को इलाज की जरूरत पूरी नहीं कर पाते हैं। जबकि भारत में 780 मेडिकल कॉलेज में 118000 सीट एमबीबीएस की हैं। आजादी के 78 साल बाद भी आम आदमी को सरकार की ओर से मुफ्त इलाज की सुविधा नहीं है। बड़े बड़े महानगरों में स्थापित बड़े और नामी ग्रामी अस्पताल धनाढ्य लोगों के लिए बने जो प्रतिदिन एक मरीज से पचास हजार रुपए तक बसूलते है। जबकि भारत में आम आदमी की औसत आय 15 से 20 हजार रुपए महीने है । सरकारी अस्पताल में अफरातफरी मची है और इलाज के लिए महीनों का इंतजार है और तब तक मरीज मौत के मुंह में समा जाता है।

स्टडी फॉर इंटरनेशनल मेडिकल साइंस की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया, अफ्रीका के देश मेडिकल साइंस में बहुत पीछे हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, सीरिया, लेबनान, लीबिया, और भारत में लोक स्वास्थ्य की हालत ठीक नहीं है।उसने इंग्लैंड के ग्लासको शहर को मेडिकल साइंस में अगरणीय माना है । बताया जाता है कि स्कॉटलैंड के इस शहर दवाइयां बिकती नहीं हैं बल्कि चिकित्सक के प्रिस्क्रिप्शन पर मुफ्त दी जाती हैं और यहां पर प्रत्येक नागरिक का एक आईडी है जिसमें उसके स्वास्थ्य का ब्यौरा है। बीमार होने पर एंबुलेंस लेकर जाती है और अस्पताल में भर्ती कराया जाता है और ठीक होने पर घर छोड़ा जाता है। इसका कोई व्यय नहीं होता है। भारत के बारे माना जाता है कि जब एलोपॅथी का ईजाद नहीं हुआ था तब भी हमारे धन्वंतरि नामक ऋषि ने आर्युवेद से तत्कालीन समय में बहुत बीमारियों का उपचार विकसित किया । एलोपैथी की खोज लुई पाश्चर नामक वैज्ञानिक ने की उन्होंने घोड़े की लीद से किडवान कर पेनिसिलिन नामक रक्षित द्रव्य बनाया। फिर शनै शनै तमाम यूरोपीय देशों ने दवाइयां बनाई , शल्य चिकित्सा आरंभ हुई। भारत में ब्रिटिश राज्य में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए जिनमें किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ, मद्रास, ब्रिटिश रेजिडेंसी मेडिकल कॉलेज कलकत्ता, मिंटो मेडिकल कॉलेज देहली, लेडी इरबन मेडिकल कॉलेज, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज,आदि प्रमुख थे। आजादी के बाद भारत सरकार ने 250 से अधिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल स्थापित किए।अब बढ़ाकर 780 हो चुके हैं । जवाहर लाल नेहरू ने एम्स देहली बनवाया। भारत अब 145 करोड़ आबादी है । यूरोपीय देशों से तुलना करे तो 10000 से अधिक हॉस्पिटल होना चाहिए ।भारत में 500 से अधिक जिले और 4000 से अधिक तहसील हैं 5000 विधानसभा क्षेत्र है । आम आदमी को इलाज के लिए रिस्क कवर नहीं है ।आम आदमी को कैंसर, एम डी आर, न्यूरो तकलीफ,ब्लाइंड नेस, यूरोलॉजी, गैस्ट्रोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, आदि समस्या के निदान के लिए देहली, कोलकाता,मुंबई,चेन्नई, नागपुर, बनारस, आगरा, लखनऊ, चंडीगढ़, गोरखपुर, प्रयागराज, पुणे, ग्वालियर, इंदौर दरभंगा, पटना, बेगुसराय, सीतामढ़ी, आदि शहरों का रुख कर ना पड़ता है।जो आम आदमी के हैसियत से बाहर की बात है। वास्तव में देखा जाय तो स्वास्थ्य भारत में एक चुनौती कार्य है क्योंकि हम इतनी बड़ी जनसंख्या वाले देश हैं नेशनल मेडिकल कमीशन की 2025 की रिपोर्ट में कहा है कि भारत को कम से कम 10000 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,5000 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,800 जिला अस्पताल, इतने ही मेडिकल कॉलेज और दो लाख एमबीबीएस की सीटे और 50000 हजार पोस्ट ग्रेजुएट डॉक्टर,5000 डीएम,एमसीएच, चिकित्सक चाहिए क्योंकि नव निर्मित और स्थापित मेडिकल कॉलेज में फैकल्टी का बहुत अभाव है। मेडिकल कॉलेज, जिला आसपास में नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, गैस्ट्रोलॉजी, कार्डियो, ऑनकोलॉजी,के एसोसिएट, असिस्टेंट, प्रोफेसर डॉ नहीं हैं। ऐसा भी नहीं है कि भारत में मेडिकल साइंस के क्षेत्र में कोई कार्य नहीं किया है। ट्यूबरक्लोसिस,पोलियो, घोंघा, आदि पर पूर्ण निवारण किया है।

एसटी कैटेगरी में शामिल करने की मांग

मनोज

झारखंड में कौन है कुड़मी या कुरमी? क्या इनका संबंध मराठा साम्राज्य के शासकों से था या फिर ये बिहार के कुर्मियों के वंशज हैं? कुछ दावे ये भी कहते हैं कि झारखंड में कुड़मी पाषाणकाल से रहते आए हैं. आज के समय में कुड़मी समाज ओबीसी का हिस्सा है, लेकिन वे लगातार इस बात के लिए आंदोलन कर रहे हैं कि हम आदिवासी हैं और हमें एसटी कैटेगरी में शामिल किया जाए. क्या कुड़मियों का आदिवासी होने का दावा सही है या वे उस जाति समूह का हिस्सा हैं, जब कोई जनजाति, जाति बनने की ओर अग्रसर हो जाती है? झारखंड अलग राज्य के आंदोलन में भी कुड़मियों ने अहम भूमिका निभाई और आदिवासियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चले। भारतीय समाज का अधिकांश हिस्सा आदिवासी मूल से निकला हुआ है, भले ही बाद में उसमें आर्य तत्व घुल–मिल गए हों. उक्त बातें भारत के प्रसिद्ध इतिहासकार और दार्शनिक देवीप्रसाद चट्टोपाध्याय ने अपनी किताब स्वांलंजंरू ।ँजनकल पद के उक्त शब्दों का उल्लेख यहां इसलिए किया गया है, क्योंकि इस आलेख में उस कुड़मी या कुरमी आंदोलन की चर्चा हो रही है, जो लगातार यह मांग कर रहे हैं कि वे आदिवासी यानी एसटी समुदाय से आते हैं, लेकिन उन्हें अत्यंत पिछड़ा वर्ग में रखा गया है. कुड़मी या कुरमी यह मांग कर रहे हैं कि उन्हें एसटी या आदिवासी ही माना जाए क्योंकि वे प्रारंभ से आदिवासी ही हैं। एक किसान समुदाय हैं, जिनकी आबादी झारखंड, बंगाल और ओडिशा में है. ब्रिटिश भारत में कुरमियों को अनुसूचित जनजाति या आदिवासी समुदाय की सूची में रखा गया था, लेकिन आजादी के बाद इन्हें अनुसूचित जनजाति की श्रेणी से बाहर कर दिया गया. झारखंड के प्रसिद्ध बुद्धिजीवी गुंजल इकिर मुंडा बताते हैं कि यह बताना तो कठिन है कि कुड़मी झारखंड और आसपास के इलाकों में कहां से आए, क्योंकि इस बारे में कोई लिखित दस्तावेज उपलब्ध ा नहीं है। हां, यह जरूर कह सकते हैं कि ये समाज वर्षों से झारखंड में आदिवासियों के साथ रहता आया है. आज के समय में कुड़मियों का जो सरनेम है महतो, वह पुराने समय में एक पद हुआ करता था. कहा जाता है कि मुंडा राजा के सहयोगी के रूप में महतो काम करता था. ब्रिटिश इंडिया में इन्हें कई जगह पर आदिवासियों के साथ सूचीबद्ध किया गया है, तो कई जगहों पर उन्हें आदिवासियों से अलग रखा गया है। इनकी संस्कृति आदिवासियों से इसलिए मिलती है क्योंकि वे काफी लंबे समय से साथ रहते आ रहे हैं. जहां तक बात इनके अनुसूचित जनजाति से बाहर हो जाने की है, तो कहा तो यही जाता है कि कुड़मी आर्थिक रूप से मजबूत जाति है, इसलिए इन्होंने खुद को अंग्रेजों के सर्वे में खुद को आदिवासियों से अलग बताया और खुद को ऊंची जाति का बताया।ुरमी जाति को एसटी कैटेगरी में नहीं रखा गया और ना इसकी सुविधा प्रदान की गई. कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि कुड़मी उस दौर की जातियां हैं, जब कई जनजाति संस्कृति के बदलाव के समय में जातियां बन गईं। वहीं शोधकर्ता ऋषि महतो दावा करते हैं कि कुड़मी पाषाणकाल से यहां रहते आए हैं. वे कहां से आए इसके बारे में तो जानकारी नहीं है, लेकिन वे यहां हैं, इसके प्रमाण मिलते हैं. उनकी डेमोग्राफी, उनकी संस्कृति, उनके घर और गीत सभी यह बताते हैं कि कुड़मी यहां काफी पुराने समय से रहते आए हैं। कुड़मी समाज का यह दावा है कि ब्रिटिश भारत में उनकी जाति को आदिवासियों के साथ सूचीबद्ध किया गया था. आजादी के बाद उनकी जाति को इस श्रेणी से बाहर कर दिया गया. इस संबंध में शोधकर्ता ऋषि महतो बताते हैं कि कुड़मी हमेशा से आदिवासियों की श्रेणी में शामिल है. हां, यह बात जरूर है कि आजादी के बाद जब इस क्षेत्र के अनुसूचित जातियों की सूची संविधान सभा को सौंपी गई, तो उसमें कुड़मी का नाम नहीं था. यह प्रशासनिक भूल थी, इसे इस तरह प्रस्तुत करना कि यह कुड़मियों की गलती थी, सही नहीं होगा। आजादी के बाद कुड़मी या कुरमी समाज को आदिवासियों की सूची से बाहर कर दिया. इसकी रूपरेखा तय हुई 1931 की जनगणना में जब इन्हें आदिवासियों की सूची से हटाकर दूसरी कृषक जाति के श्रेणी में डाल दिया गया. उससे पहले की जनगणनाओं में कुड़मी को आदिवासियों की श्रेणी रखा गया था. इस बारे में बात करते हुए कुड़मी समाज के प्रबुद्ध व्यक्ति राजाराम महतो कहते हैं कि कुड़मी समाज आजादी के बाद से ही अपनी वास्तविक पहचान के लिए आंदोलन कर रहा है. इसमें कोई दो राय नहीं है कि कुड़मी समाज झारखंड के आदिवासियों में से ही एक है. कुड़मी समाज के पर्वदृत्योहार, उनके गीत, उनकी संस्कृति सबकुछ

इस बात का प्रमाण देते हैं कि कुड़मी आदिवासी हैं. हमारी जो भाषा है, वह भी प्रकृति के करीब है, यह तमाम बातें हमें आदिवासी सिद्ध करती हैं। आदिवासी समाज में पेड़, पौधे, जीव, जंतु के नाम पर गोत्र निर्धारित होता है और समान गोत्र में शादी वर्जित है. इसी परंपरा का निर्वहन कुड़मी भी करते हैं. जयराम महतो बताते हैं कि कुड़मियों में कुल 81 गोत्र हैं और इनके नाम पेड़, पोधे और जीव–जंतुओं के नाम पर ही रखे गए हैं. मसलन हिंदइआर, बनवार, नागवार, पुनोरियार, बंगसोर, संखवार, डुमरियार, बेमुआर, बगुआर, कोटिआर, करवार आदि. कुड़मियों में माता, पिता, नाना, नानी के गोत्र में शादी वर्जित है। इस तरह के नियम आदिवासियों में ही पाए जाते हैं। आदिवासी नेताओं का कहना है कि कुड़मी समाज अपने निजी फायदे के लिए एसटी समुदाय में शामिल होना चाहता है. केंद्रीय सरना समिति, महिला मोर्चा की अध्यक्ष निशा भगत यह दावा करती हैं कि कुड़मी आदिवासी नहीं है. इनकी संस्कृति और व्यवहार कहीं से भी आदिवासियों से मेल नहीं खाते हैं. यह एक ऐसी जाति है, ।

एक अतुल्यै पर्यटन स्थल के रूप में भारत का विकास

रितेश अग्रवाल

भारत की समृद्ध संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व इसे दुनिया भर के पर्यटकों के लिए एक मनपसंद पर्यटन स्थरल बनाते हैं। फिर भी,

इस क्षेत्र को वर्तमान मोदी सरकार के कार्यकाल में ही वह प्राथमिकता मिली है जिसका यह हकदार हैकृअर्थव्यवस्था के प्रमुख चालक और सॉफ्ट पावर के एक साधन, दोनों ही रूपों में। प्रधानमंत्री मोदी ने इस क्षमता को गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए भी पहचाना था। पर्यटन भारत में अब केवल फुरसत में छुट्टियां बिताने का साधन भर नहीं रह गया हैय यह रोजगार, गौरव और विश्व मानचित्र पर भारत को स्थोपित करने का माध्यहम भी बन गया है। पिछले एक दशक के दौरान, भारत में परिवहन अवसंरचना का व्यापक विस्तार हुआ है। राजमार्ग, रेलवे और विमानन नेटवर्क उन क्षेत्रों तक पहुँच चुके हैं, जो पहले दुर्गम हुआ करते थे। स्वदेश दर्शन (विषय–आधारित पर्यटन) और प्रशाद – तीर्थयात्रा पुनरुद्धार एवं आध्यात्मिक संवर्धन अभियान – जैसी योजनाओं ने आस्था और संस्कृति के प्राचीन मार्गों को पुनर्जीवित किया है और साथ ही छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी पैदा किए हैं। पिछले दशक के दौरान निर्मित प्रत्येक राजमार्ग, हवाई अड्डा और तीर्थ गलियारा केवल अवसंरचना मात्र नहीं है – यह भारत की विरासत की ओर एक सेतु है। मोदी के विजन ने अध्यात्म, स्वास्थ्य, एडवेंचर और व्यावसायिक पर्यटन पर जोर देते हुए अतुल्य भारत 2.0 में नई जान फूंक दी है। बौद्ध सर्किट, रामायण सर्किट जैसे विशेष सर्किट, वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी लाखों लोगों को आकर्षित करने वाली ऐतिहासिक परियोजनाएं हैं। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी से तबाह हो गया था, साल 2024 में 16 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों का स्वागत करने के लिए फिर से तैयार हो गया। एक दशक पहले तक यह आंकड़ा केवल 40,000 का था। महाकाल की नगरी के रूप में पुनर्जीवित उज्जैन ने साल 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों को आकर्षित किया। काशी ने 11 करोड़ तीर्थयात्रियों का स्वागत किया, जबकि बोधगया और सारनाथ ने साल 2023 में 30 लाख से अधिक साधकों को आकर्षित किया। अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के केवल छह महीनों के भीतर, 11 करोड़ से अधिक भक्तों ने दर्शन किए। महाकुंभ 2025, विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम, में 65 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए। केदारनाथ का पुनरुद्धार, काशी का कायाकल्प, और अयोध्या का पुनर्जन्म यह दर्शाता है कि किस प्रकार आस्था और अवसंरचनाएं मिलकर यात्रा को पुनर्परिभाषित कर सकते हैं। डिजिटल इंडिया और स्मार्ट सिटीज पर ध्यान केंद्रित करने से बुनियादी ढाँचों और पहुँच में और सुधार हुआ है। आधुनिक हवाई अड्डे, उन्नत राजमार्ग, बेहतर रेल संपर्क और निर्बाध डिजिटल बुकिंग प्रणालियों ने यात्रा को और अधिक सुविधाजनक और विश्वसनीय बना दिया है। डिजिटल ऐप्स, बहुभाषी हेल्पलाइन और अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी भले ही छोटे बदलाव लगें, लेकिन इन सबने मिलकर भारत को दुनिया के सबसे ज्यादा यात्री–अनुकूल स्थलों में से एक बना दिया है। साथ ही, वीजा मानदंडों में ढील और विस्तारित ई–वीजा नीति ने विदेशी पर्यटकों के आगमन को उल्लेखनीय रूप से बढ़ावा दिया है। सरकार ने इको–टूरिज्म, वेलनेस टूरिज्म और एडवेंचर स्पोर्ट्स को भी बढ़ावा दिया है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि भारतीय पर्यटन का भविष्य संतुलन में है – विकास के साथ–साथ स्थाायित्वी, बुनियादी ढाँचों के साथ–साथ विरासत और आधुनिकता के साथ–साथ परंपरा। जी–20 शिखर सम्मेलन जैसे उच्च–स्तरीय वैश्विक आयोजनों की भारत द्वारा मेजबानी ने न केवल आतिथ्य सत्कार, बल्कि सांस्कृतिक गहराई को भी प्रदर्शित किया। ऐसे अवसरों ने भारत को एक आधुनिक अर्थव्यवस्था और एक शाश्वत सभ्यता, दोनों के रूप में स्थापित किया, जिसने अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया और विदेशों से अधिक से अधिक पर्यटकों को प्रोत्सा,हित किया। नीतियों से परे, मोदी जी जिस तरह से भारतीय संस्कृति और पर्यटन स्थलों का समर्थन करते हैं, उसका एक व्यक्तिगत पहलू भी है। योग को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाने से लेकर केदारनाथ में नंगे पैर चलने और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के पानी में गोता लगाने तक, उन्होंने न केवल भाषणों के माध्यम से, बल्कि अपने अनुभवों के माध्यम से भी दुनिया को भारत से परिचित कराया है। ऐसा करके, वे स्वयं एक सांस्कृतिक राजदूत बन गए हैं, और इस विचार को पुष्ट कर रहे हैं कि ब्रांड इंडिया का निर्माण केवल बोर्डरूम या नीतिगत दस्तावेजों में ही नहीं, बल्कि वाराणसी के घाटों, हिमालय की चोटियों और केरल के तटों पर भी हो रहा है। श्री मोदी पर्यटन का सिफ ॅसमर्थन ही नहीं करतेय वे उसे साकार भी करते हैं। सोशल मीडिया पर भारतीय स्थलों का बार–बार प्रदर्शन, भाषणों में स्थानीय त्योहारों और परंपराओं का जिक्र, और भारतीयों से श्यपहले भारत को जानोय्य का आह्वान, इन सबने घरेलू पर्यटन के प्रति गौरव का भाव जगाया है। यहाँ तक कि आधिकारिक दौरों पर उनका पहनावा कृ चाहे नागा शॉल हो, हिमाचली टोपी हो या तमिल वेष्टि कृ क्षेत्रीय पहचान और परंपराओं के प्रति उनका सम्माटन होता है, जो विविधता में एकता का प्रतीक है। एक राष्ट्रीय नेता और एक वैश्विक राजनेता, दोनों के रूप में मोदी भारत की सौम्य शक्ति, संस्कृति और आध्यात्मिकता के महत्व को समझते हैं। संयुक्त राष्ट्र, विश्व आर्थिक मंच और जी–20 शिखर सम्मेलन में उनके संबोधन अक्सर भारत की विरासत को गौरवान्वित करते हैं। योग और आयुर्वेद के प्रति उनके वैश्विक प्रोत्साहन ने भारत को समग्र स्वास्थ्य के केंद्र के रूप में स्थापित किया है। आज, देश भर के ध्यारन–आश्रम 120 से अधिक देशों के साधकों को आकर्षित करते हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि कैसे प्राचीन पद्धतियां दुनिया भर में आधुनिक जीवनशैली को आकार दे रही हैं। इस प्रकार, उनके नेतृत्व में पर्यटन रोजगार, विकास और सांस्कृतिक आदान–प्रदान का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। भारत में साल 2024 में घरेलू पर्यटकों की संख्याआ 294.76 करोड़ थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में 17.36त्न अधिक है। जैसे–जैसे यह क्षेत्र निरंतर विस्तृोत हो रहा है, भारत न केवल अपने अतीत का जश्न मना रहा है, बल्कि एक ऐसे भविष्य का निर्माण भी कर रहा है जहाँ हर क्षेत्र का वैश्विक मानचित्र पर अपना एक स्थान हो। प्रत्येक राज्य, शहर और गाँव को अब अपनी कहानी कहने का अवसर मिला हैकृऔर मोदी जी के नेतृत्व में ये कहानियाँ दुनिया तक पहुँच रही हैं।

एक ऐसे नेता के साथ जो श्यब्रांड इंडियाय्य की शक्ति में विश्वास रखता है, भारतीय पर्यटन का भविष्य मजबूत, गतिशील और चिरस्थाडयी है।

विकल्प खोजने वाले विचारक : किशन पटनायक

बाबा मायाराम हाल के वर्षों में वैकल्पिक राजनीति का शब्द का इस्तेमाल काफी हो रहा है। इसके सूत्रधार किशन पटनायक ही थे। अगर वैकल्पिक राजनीति में एक वैकल्पिक राजनैतिक संस्कृति नहीं होगी, जो लम्बे समय तक जमीनी काम करने और सिद्धांत व आदर्शमय जीवन से आती है, तो राजनीति में आदर्श और नैतिकता नहीं टिक पाएगी। यह धीरज और आदर्शों पर दृढ़ता से आती है। मौजूदा दौर में जब देश में लोकतंत्र और संविधान की चर्चा हो रही है। मैं किशन पटनायक को याद करना चाहूंगा। मुझे पिछले एक महीने से उनकी कर्मभूमि ओडिशा के बरगढ़ शहर में रहने का मौका मिला है और उनके कई निकट साथियों से उनके अनुभव सुनने मिल रहे हैं। मुझे स्वयं लम्बे समय तक उनका सानिध्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने लम्बा सार्वजनिक सादगी से जीवन जिया। राजनीति की, राजनीति के बाहर जमीनी आंदोलनों का मार्गदर्शन किया और विचार निर्माण में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।आज इस कॉलम में उनकी राजनीति, जीवन और विचार पर चर्चा करना चाहूंगा, जिससे उनके जीवन की झलक मिल सके और यह जाना जा सके कि कुछ समय पहले तक राजनीति में ऐसे भी लोग थे जिनके जीवन और विचार में कोई भेद नहीं था। किशन जी (किशन पटनायक) का स्मरण करते ही कितनी ही बातें ख्याल में आती हैं। उनकी सादगी, सच्चाई और आदर्शमय जीवन की, दूरदराज के इलाकों की लम्बी यात्राओं की, राजनीति के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन की कोशिशों की और उनके ओजस्वी व्याख्यानों और भाषणों की, जहां लोग चुपचाप उनके भाषणों को सुनते रहते थे। आज उनका स्मरण इसलिए भी जरूरी है कि आज अगर किशन जी होते तो सामयिक घटनाओं और आज की परिस्थिति पर क्या प्रतिक्रिया व्यक्त करते। शायद इसे बताना मुश्किल है कि वे फलां घटना पर क्या कहते। पर उनकी जो दृष्टि थी, उनका जो नजरिया था सोचने का, उसको समझने से हमारी दृष्टि साफ हो सकती है, कु छ रोशनी मिल सकती है। किशन जी के व्यक्तित्व और विचार पर आगे बात करूं, इससे पहले उनके बारे में कुछ बातें बताना उचित होगा। जैसे किशन जी ओडिशा के कालाहांडी से ताल्लुक रखते थे, इसी इलाके में उनका जन्म हुआ था। वे सिर्फ 32 साल की उम्र में 1962 में संबलपुर (ओडिशा) लोकसभा के सदस्य बने थे। राममनोहर लोहिया के सहयोगी थे। लोहिया के गुजर जाने के बाद उनके साथियों में भी सत्ता के लिए छटपटाहट दिखी, बिखराव हुआ। इस सबको देखते हुए समाजवादी आंदोलन से उनका मोहभंग हो गया था और फिर उन्होंने मुख्यधारा की राजनीति का एक सार्थक विकल्प बनाने की लगातार कोशिश की थी। लोहिया विचार मंच, समता संगठन, जनांदोलन समन्वय समिति और समाजवादी जन परिषद बनाकर नीचे से जनशक्ति को संगठित कर नई राजनीति को गढ़ने का प्रयास करते रहे। वे कई पत्र–पत्रिकाओं का संपादन भी करते रहे। राममनोहर लोहिया के साथ मैनकाइन्ड के सम्पादक मंडल में काम किया। उन्होंने श्सामयिक वार्ताश नामक मासिक पत्रिका 1977 से शुरू की जो अब भी वाराणसी से निकल रही है। इस पत्रिका का संपादन करने का मुझे भी मौका मिला है। किशन जी का कोई घर नहीं था, न कोई जमीन, न संपत्ति और न ही कोई बैंक बैलेंस। 60 वर्ष की आयु के बाद रेलवे का पास लिया था। उन्होंने अपनी जरूरतें बहुत ही सीमित कर ली थी। उनके निकट सहयोगी बताते हैं कि उनका जोर युवाओं को प्रशिक्षित करना, गांव पर ध्यान देना, विकास की नीति पर सवाल उठाना रहता था। सादगी ऐसी थी कि जमीन पर सो जाते थे। साइकिल पर बैठकर गांव–गांव मीटिंग में जाते थे। पत्रों के माध्यम से देशभर के कार्यकर्ताओं से जुड़े रहते थे। रेल यात्रा करते थे। उनका सारा जीवन कार्यकर्ता बनाने और नए–नए लोगों को इस धारा में जोड़ने में लगा। सामाजिक बदलाव की चाह में रात–दिन लगे रहते थे। किशन जी से मेरा संपर्क 80 के दशक में हुआ। पहली बार मैं मध्यप्रदेश के इटारसी में उनसे मिला था, वे वहां स्थानीय युवक राजनारायण से मिलने आए थे, जो अकेला ही आदिवासियों के बीच काम कर रहा था। इसके बाद मुझे लगातार उनसे मिलने, बात करने और साथ में यात्रा करने का मौका मिलता रहा। लिंगराज भाई और सुनील भाई के माध्यम से मैं लगातार किशन जी के संपर्क में रहा। वे मितभाषी थे, बहुत संकोची स्वभाव के थे। वे समय के बहुत पाबंद थे। अक्सर बैठकों में पीछे बैठते थे और सबको चुपचाप सुनते रहते थे और सबसे अंत में बोलते थे। वे गांधी– लोहिया की धारा को आगे ले जाने वाले मौलिक चिंतक थे। उनका सारा राजनैतिक चिंतन किसी सामयिक घटनाओं और मैदानी स्थितियों व संघर्ष से उपजा हुआ था। वे लगातार देश भर में घूमते थे, सोचते और लिखते थे। उनसे प्रभावित होने वालों का दायरा बड़ा था जिसमें सामाजिक कार्यकर्ताओं से लेकर पत्रकार, अफसर, साहित्यकार, शिक्षाविद् और समाजशास्त्री थे और आज भी हैं। किशन जी मुख्यधारा की राजनीति का विकल्प खड़ा करना चाहते थे क्योंकि उनका मानना था कि सभी राजनीतिक पार्टियों की नीतियां एक सी हैं, पर अलग–अलग होने का स्वांग करती हैं। जनसाधारण की बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं हो पाती हैं। लेकिन इसकी बहुत जल्दी में नहीं थे। वे कहते थे विकल्प जल्दी में तैयार नहीं होते हैं, इसमें सालों लगते हैं और अगर जल्द खड़े हो भी जाएं तो जल्द ढह जाते हैं। इसका उन्हें आपातकाल के बाद बनी जनता पार्टी की सरकार का अनुभव भी था। इसलिए जब समता संगठन बना तो यह घोषणा की गई कि हम दस साल तक चुनाव नहीं लड़ेंगे। इसके पीछे शायद अपने कार्यकर्ताओं को आदर्शों, सिद्धांत में दीक्षित करना और नीचे से हाशिये के समुदायों की जनशक्ति को संगठित करना होगा। साथ ही अगर लम्बे समय तक कोई भी कार्यकर्ता और नेतृत्व आदर्शमय जीवन जिएगा तो सत्ता में आने के बाद वह जल्द भ्रष्ट भी नहीं हो पाएगा, यह भी रहा होगा। किशन जी के प्रभाव से देश के अलग–अलग कोनों में कई युवा अपना कैरियर छोड़कर राजनीति से समाज परिवर्तन के लक्ष्य में जुट गए थे। जिसमें ओडिशा, मध्यप्रदेश, बिहार, उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्यों में कई साथी, समर्थक और सहानुभूति रखने वाले बरसों तक काम करते रहे। इनमें से एक लिंगराज भाई हैं, जो आज देश के कई आंदोलन से जुड़े हैं और ओडिशा में किसान आंदोलन के अग्रणी पंक्ति के नेता हैं। किशन जी की एक खास बात यह है कि वे सामाजिक और राजनैतिक कार्यकर्ताओं की समस्याओं से हमेशा चिंतित रहते थे। एक बार कानपुर में कार्यकर्ताओं की समस्याओं पर बोलते–बोलते उनका गला रुंध गया था। वे चाहते थे कार्यकर्ताओं के लिए समाज जीवन निर्वाह में मदद करे। इसका अच्छा प्रयोग समता भवन बरगढ़(ओडिशा) में किया भी, जहां कई कार्यकर्ता बहुत ही न्यूनतम सुविधाओं में रहते थे और समाज के निचले तबके की समस्याओं पर आंदोलन करते और संगठन को मजबूती प्रदान करते। इस खपरैल वाला समता भवन कार्यकर्ताओं के लिए तीर्थ स्थान की तरह हो गया था, जहां से हमेशा प्रेरणा और अच्छाई मिलती है। अब नया समता भवन का कार्यालय बन गया है। आज यह भवन किसान, दलित, आदिवासियों के आंदोलनों का केन्द्र है। जय किसान आंदोलन का कार्यालय भी है। हाल के वर्षों में वैकल्पिक राजनीति का शब्द का इस्तेमाल काफी हो रहा है। इसके सूत्रधार किशन पटनायक ही थे। अगर वैकल्पिक राजनीति में एक वैकल्पिक राजनैतिक संस्कृति नहीं होगी, जो लम्बे समय तक जमीनी काम करने और सिद्धांत व आदर्शमय जीवन से आती है, तो राजनीति में आदर्श और नैतिकता नहीं टिक पाएगी। यह धीरज और आदर्शों पर दृढ़ता से आती है। अगर ऐसा नहीं होगा तो राजनैतिक दलों की विकल्प की चाह सत्ता मिलते ही खत्म हो जाती है। जैसे समाजवादी नाम वाले दलों का समाजवाद से कोई लेना–देना नहीं है, सिर्फ नाम ही बचा है। उनका समाजवाद सत्ता तक ही सीमित है। किशन जी की उपस्थिति बौद्धिकता की चमक देती थी। उनमें गहरी अन्तरदृष्टि थी। वे घटनाओं के आर–पार देख लेते थे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला एसओ व अन्य पुलिस कर्मी महिलाओ व बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति कर रहे जागरूक

अयोध्या। पुलिस विभाग ने नवरात्र के पहले दिन से मिशन शक्ति अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को जागरूक करना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सचेत करना है।इसी कड़ी में 29 सितंबर सोमवार को बीकापुर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय चौरे बाजार में बच्चों को जागरूक करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में सशक्तिकरण समृद्ध भारतश् टीम के तहत महिला एवं बालिकाओं को पंपलेट वितरित किए गए।इस मौके उन्हें बताया गया कि विशेष सुविधाओं और सहायता के लिए कौन से नंबर उपलब्ध हैं। छात्राओं को महिला सशक्तिकरण के महत्व और अपने अधिकारों के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई।एंटी रोमियो टीम ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और बालिकाओं को पंपलेट बांटे। छात्राओं को महिला स्वावलंबन और

आत्मरक्षा के लिए जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं उन्हीं के लाभ के लिए हैं और आवश्यकता पड़ने पर उनका प्रयोग करना चाहिए।विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस चौकी चौरे के इंचार्ज राजेश कुमार पटेल, व्यायाम शिक्षक हरकिशन निषाद, श्रीनाथ यादव, अजय यादव, पूर्णिमा सिंह, प्रतिभा द्विवेदी और अमित यादव सहित कई शिक्षकगण उपस्थित रहे। मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के अलावा उपनिरीक्षक प्रिया, म.आ. छाया भदौरिया, म.आ. जयश्री, म.आ. अलका वर्मा, ममता पाठक द्वारा बापू बालिका इण्टर कॉलेज अयोध्या जाकर शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में बालिकाओं को जागरूक किया गया और महिला अपराध संबंधित अपराध के बारे मे अवगत कराया गया व उन्हें किसी भी प्रकार पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया। थाना रौनाही उप निरीक्षक अलका यादव उप निरीक्षक सुरभिलता महिला आरक्षी संगीता आरक्षी राजेश कुमार के द्वारा प्राथमिक विद्यालय सनहा में मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत स्कूल के बच्चियों को सरकार के द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया तथा हेल्पलाइन नंबर 1090 वूमेन पावर लाइन नंबर 112 आपातकालीन सेवाएं 181 महिला हेल्पलाइन नंबर 108 एंबुलेंस सेवा 102 स्वास्थ्य सेवा 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन 1930 साइबर अपराध 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर के बारे में बताया गया।थाना इनायतनगर से महिला सुरक्षा केंद्र परराजकीय विद्यालय गढ़ा कि आई हुई छात्राओं को हेल्पलाइन नंबरों से अवगत कराया गया तथा कार्यालय, कंप्यूटर कार्यालय ,महिला हेल्पडेस्क, जनसुनवाई ,प्रभारी निरीक्षक कक्ष आदि की कार्य प्रणाली के बारे में भी बताया गया।थाना पटरंगा की मिशन शक्ति टीमध्एंटी रोमियो टीम मव उव निव प्रतीक्षा, हे.का. मंशाराम यादव, का. दयानन्द, म.का.नीतू द्वारा मां संतोषी इण्टर कॉलेज रानीमऊ की बच्चियों को मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत जागरूक किया गया।

कई इलाकों में हुई बारिश

लखनऊ, (संवाददाता)। दक्षिणी और पूर्वी उत्तर प्रदेश खासकर मध्य–प्रदेश से सटे जिलों में शनिवार को तेज बारिश हुई। हालांकि बाकी क्षेत्रों में छिटपुट बारिश ही दर्ज की गई। गर्मी और उमस ने लोगों को परेशान भी किया। मौसम विभाग के अनुसार, तीन दिन बाद उत्तरी यूपी खासकर पूर्वांचल और तराई क्षेत्र में भी बारिश की संभावना है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, शनिवार को सोनभद्र, मिर्जापुर, प्रयागराज, बांदा और गाजीपुर समेत कई जिलों में अच्छी बारिश हुई। इनमें से शुक्रवार को सोनभद्र में 66 मिमी बारिश हुई थी। वहीं शनिवार को यहां करीब 18 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं प्रयागराज में 36 मिमी, बांदा में 30 मिमी और गाजीपुर में 28.4 डिग्री बारिश दर्ज की गई।

अंतिम संस्कार की चल रही थी प्रक्रिया, अचानक पहुंची पुलिस

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बाराबंकी में रविवार को पुलिस ने युवक के शव को चिता से उठवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिसिया कार्रवाई से मौजूद लोगों में दहशत का माहौल रहा। इस दौरान पुलिस ने परिजनों से बात करके भी जानकारी ली। घटना गांव में चर्चा का विषय बनी रही। मामला सफदरगंज थाना क्षेत्र के पेरी मजरे मौलाबाद गांव का है। गांव निवासी रामकुमार (38) का शव रविवार सुबह कमरे में फंदे से लटका मिला।

संक्षिप्त खबरें

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की बड़ी उपलब्धि

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

नई दिल्ली। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता के मार्गदर्शन में अब पूरे देश में पत्रकारों को एआई के बारे में प्रशिक्षित करने के लिए कार्यशालाएं आयोजित होंगी। एसोसिएशन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष अतुल कपूर के प्रयासों से एडीरा द्वारा स्वीकृति पत्र एसोसिएशन को प्राप्त हो गया है। एडीरा–एआई फॉर डिजिटल रेडीनेस एंड एडवांसमेंट के मास्टर ट्रेनर डा. निमिष कपूर इन कार्यशालाओं में पत्रकारों को प्रशिक्षित करेंगे। उदाहरण के लिए किसी आयोग की 100 पेज की रिपोर्ट का यदि समाचार लिखना है तो उसे कैसे सार–संक्षेप में एआई की सहायता से दो पेज में लिख सकते हैं। इसी तरह किसी कार्यक्रम के वीडियो को चंद मिनट में ही समाचार के रूप में कैसे लिखा जा सकता है। समाचारों के लिए प्रामाणिक आंकड़े भी एआई की सहायता से चंद मिनटों में प्राप्त किया जा सकते हैं। डॉ. निमिष कपूर ने बताया कि प्रधानमंत्री के विजनकृ ”हम सार्वजनिक हित के लिए एआई एप्लिकेशन्स विकसित कर रहे हैं। हमारे पास दुनिया के सबसे बड़े एआई टैलेंट पूल में से एक है। भारत अपने स्वयं के लार्ज लैंग्वेज मॉडल विकसित कर रहा है और 2026 में ग्लोबल एआई समिट की मेजबानी करने जा रहा है।“कृके अनुरूप वे अपना समय विद्यार्थियों और युवा पेशेवरोंध पत्रकारों को एआई की मूल बातें और अनुप्रयोगों का प्रशिक्षण देने, आम भ्रांतियों को दूर करने और एआई के जिम्मेदार एवं प्रभावशाली उपयोग को बढ़ावा देने में समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी पत्रकारिता कर रहे पत्रकारों को एआई का ज्ञान व्यापक रूप से साझा होना चाहिए। इसलिए भारत सरकार की मंशा के अनुरूप ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन को इन कार्यशालाओं के आयोजन के लिए अधिकृत किया गया है। श्री कपूर ने बताया कि एडीरा को विशेष रूप से मीडिया के छात्रध्पेशेवरों को व्यावहारिक, हाथ–से–हाथ सीखने योग्य एआई कौशल और दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है, जो उत्पादकता, दक्षता और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाते हैं। एडीरा के अंतर्गत आयोजित ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की कार्यशालाएँ पूरी तरह निःशुल्क होंगी।

पहली कार्यशाला बेंगलुरु (कर्नाटक) में होगी

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन, कर्नाटक के सदस्यों के लिए 11 अक्टूबर 2025 को एक एडीरा – एआई फॉर डिजिटल रेडीनेस एंड एडवांसमेंट ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित होगी। यह कार्यशाला लगभग 2 घंटे चलेगी और इसमें अधिकतम 50 पत्रकारों तथा मीडिया के छात्रों एवं प्रशिक्षु पत्रकारों को शामिल किया जा सकेगा।

कार्यशाला में प्रतिभाग करने वालों को मिलेंगे प्रमाण–पत्र

प्रतिभागियों को ई–प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे, जो ऑनलाइन प्री– और पोस्ट–टेस्ट फॉर्म पूर्ण करने के पश्चात जारी होंगे।

अखिलेश राज में व्यापारी, उद्यमियों से होती थी वसूली – पाठक

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी रोलर फ्लोर मिलर्स एसोसिएशन के 62वें वार्षिक महासम्मेलन में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि अखिलेश राज में व्यापारियों,

उद्यमियों से जबरन वसूली होती थी। भाजपा सरकार में माफियाराज को खत्म किया गया है। उत्तर प्रदेश न केवल देश का सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक राज्य है, बल्कि खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में भी अग्रणी बनता जा रहा है। आज उत्तर प्रदेश 380 लाख टन गेहूं का उत्पादन करते हुए देश का सबसे ज्यादा गेहूं, चीनी व दुग्ध उत्पादक राज्य है। अब लक्ष्य है कि हम सब मिलकर प्रदेश को पूरे दक्षिण एशिया का खाद्य प्रसंस्करण हब बनाएं। डिप्टी सीएम के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक बजाज, निवर्तमान अध्यक्ष धर्मेंद्र जैन, पूर्व अध्यक्ष प्रमोद कुमार वैश्य ने किया। एसोसिएशन ने मांग की कि सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गेहूं की जगह आटा उपलब्ध कराए तो इससे रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ यह सीधे उपभोक्ता की थाली में पहुंचेगा। आटा जल्दी खराब होता है, इसलिए इसकी कालाबाजारी नहीं हो सकेगी। मंडी शुल्क हटाने और फोर्टिफाइड अनाज वितरण की भी मांग की गई। उद्यमियों की समस्याओं पर विशिष्ट अतिथि व प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति रणवीर प्रसाद ने कहा पीडीएस में फोर्टिफाइड राइस बंट रहा है। आटे में भी पहल की जरूरत है। अगर निजी क्षेत्र अपनाए तो धीरे–धीरे सरकार भी अपनाने पर विचार करेगी। सम्मेलन में प्रदेश भर से 200 से ज्यादा रोलर फ्लोर मिल इकाइयों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। एजीएम में सर्वसम्मति से वाराणसी के दीपक बजाज को नया अध्यक्ष चुना गया। निवर्तमान अध्यक्ष धर्मेंद्र जैन ने उन्हें बैच सौंपा। उपाध्यक्ष रामऔतार सिंघल को चुना गया।

तीन घरों से लाखों के जेवर और नकदी चोरी

लखनऊ, (संवाददाता)। काकोरी के हसनखेड़ा गांव निवासी किसान गोमती यादव व परिवार के लोग शुक्रवार रात बेटे की गोद भराई करके लौटे और सो गए। देर रात चोर गेट फांदकर घर के अंदर घुस आए और लाखों के जेवर और नकदी उठा ले गए। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर लिया है। इसके अलावा दुबग्गा के लीलाखेड़ा गांव में किसान लल्ला यादव और मलिहाबाद बड़ी गढ़ी निवासी नीरज गौतम के मकान से भी चोर नकदी और जेवर चोरी कर ले गए। किसान गोमती यादव के मुताबिक शुक्रवार को आईआईएम रोड स्थित एक मैरिज लॉन में बेटे शुभम की गोद भराई का कार्यक्रम था। परिवार के सभी लोग रात 11 बजे कार्यक्रम से लौटे और अपने–अपने कमरों में सो गए। देर रात चोर गेट फांदकर उनके घर के अंदर दाखिल हुए और कमरे में रखी अलमारी का लॉक तोड़कर पांच लाख रुपये और डेढ़ लाख नकद चोरी कर ले गए। शनिवार सुबह जब परिवार के लोग सोकर उठे तो उन लोगों को चोरी का पता चला। कमरे में एक महिला की मैक्सी भी पड़ी थी। इसके अलावा काकोरी के लीलाखेड़ा गांव में किसान लल्ला यादव के घर चोर पड़ोस के घर से चढ़कर उनके मकान में घुस आए और कमरे में रखा हुआ बक्सा छत पर ले गए। चोर बक्से से 80 हजार की नकदी और डेढ़ लाख रुपये के जेवरात उठा ले गए। इंस्पेक्टर दुबग्गा अभिनव कुमार वर्मा ने बताया कि चोरी का केस दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों के बारे में पता लगाया जा रहा है। वहीं मलिहाबाद बड़ी गढ़ी निवासी नीरज गौतम हरदोई के संडीला में विद्युत विभाग में कार्यरत हैं। शुक्रवार रात परिवार खाना खाकर दूसरे कमरे सो गया था। देर रात चोर छत पर लगे जाल का ताला तोड़कर अंदर घुसे और कमरे की अलमारी में रखे हुए सात लाख के जेवर और 40 हजार की नकदी चोरी कर ले गए। नीरज ने बताया कि आठ नवंबर को बहन की शादी है। इसकी तैयारियां चल रही हैं। अलमारी में बहन की गोद भराई में मिले जेवर व शादी के लिए खरीदे गए जेवर रखे थे, जो चोर साथ ले गए। इंस्पेक्टर मलिहाबाद सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि तहरीर मिली है, जांच की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

चालक को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ देकर बदमाशों ने लूटी कार

लखनऊ, (संवाददाता)। कानपुर के चमनगंज निवासी कैब चालक बसीक अहमद को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर दो बदमाश उनकी कार लूट ले गए। घटना 20 सितंबर को हुई। पीड़ित ने शुक्रवार को आईजीआरएस के माध्यम से नाका थाने में केस दर्ज कराया। इंस्पेक्टर नाका श्रीकांत राय के मुताबिक बसीक अहमद अपने साले रफी अहमद की कार चलाते हैं। 20 सितंबर को वह कानपुर से सवारी लेकर लखनऊ पहुंचे। इसके बाद वह चारबाग मेट्रो स्टेशन पहुंचे और कानपुर के लिए सवारी का इंतजार करने लगे। इस बीच दो युवकों ने कानपुर तक 1200 रुपये में कार बुक की। बसीक के मुताबिक रास्ते में अमौसी एयरपोर्ट से 500 मीटर पहले दोनों ने कार रुकवाई और कोल्ड ड्रिंक लेकर आए। आरोपियों ने उन्हें भी कोल्ड ड्रिंक दी। आरोप है कि कोल्ड ड्रिंक पीने के कुछ देर बाद वह बेहोश हो गए। इसके बाद आरोपियों ने उन्हें उन्नाव के सोहरामऊ में फेंक दिया और उनकी कार लूट ले गए। ग्रामीण ने उन्हें अचेत अवस्था में देखा और उनके मोबाइल से उनकी पत्नी को सूचना दी। परिजनों ने उनका इलाज कराया। पीड़ित के मुताबिक वे लोग शिकायत लेकर सोहरामऊ पुलिस के पास गए तो पुलिस ने घटना नाका की बताकर टरका दिया। पीड़ित ने नाका पुलिस से शिकायत की तो वह भी टालमटोल करने लगी। अंत में बसीक ने आईजीआरएस पर शिकायत की। इसके बाद शुक्रवार को नाका पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। इंस्पेक्टर का कहना है ।

सपा प्रमुख की फोटो एडिट कर पोस्ट की, एफआईआर दर्ज

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी अधिवक्ता सभा लखनऊ के जिलाध्यक्ष अंजनी प्रकाश यादव ने गौतम भारद्वाज पर सपा प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की फोटो एडिट कर उसे आपत्तिजनक बनाकर पोस्ट करने का आरोप लगाया है। पीजीआई पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। अंजनी का आरोप है कि गौतम ने अखिलेश यादव की फोटो को आपत्तिजनक बनाया फिर उनकी फोटो अपनी फेसबुक आईडी से पोस्ट कर दी। आरोपी ने फोटो पर अभद्र टिप्पणी भी की। आरोप है कि पोस्ट वायरल होते ही सपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया है। कार्यकर्ताओं ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की है। इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की तफ्तीश की जा रही है। साक्ष्य संकलन होने पर कार्रवाई की जाएगी।

कॉलेज के पास घूम रहे चार शोहदे पकड़े

लखनऊ, (संवाददाता)। कॉलेज छूटने के समय बाहर मंडरा रहे चार शोहदों को महिला पुलिसकर्मियों ने शनिवार को पकड़ा। एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने बताया कि मिशन शक्ति के तहत महिला पुलिसकर्मियों को कॉलेज के आसपास निगरानी करने और शोहदों पर कार्रवाई का आदेश दिया गया है। शनिवार दोपहर कस्बा स्थित संत पीटर्स इंटर कॉलेज के पास आशियाना निवासी अभिषेक, शिवा राजपूत, निगोहां निवासी राम किशन और अर्चित को घूमते हुए महिला पुलिसकर्मियों ने पकड़ा। पूछताछ में चारों कॉलेज के बाहर घूमने का सही कारण नहीं बता सके। इस पर उन्हें थाने लाकर चारों के खिलाफ शांतिभंग के तहत कार्रवाई की गई।

दरोगा के बंद मकान का ताला तोड़कर नकदी व जेवर चोरी

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस मुख्यालय में तैनात दरोगा रविंद्र कुमार के गोसाईंगंज कासिमपुर बिरूहा ग्रीन सिटी स्थित मकान का ताला तोड़कर घुसे चोर नकदी व जेवरात उठा ले गए। इंस्पेक्टर गोसाईंगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक एसआई रविंद्र पुलिस मुख्यालय में तकनीकी सेवा विभाग में कार्यरत हैं। 22 सितंबर से दिल्ली स्थित एनसीआरबी सेंटर में पांच दिवसीय ट्रेनिंग थी। 21 सितंबर को पत्नी व दो वर्षीय बेटे को उन्नाव स्थित ससुराल भेजने के बाद वह शाम करीब छह बजे ट्रेन से दिल्ली चले गए थे। ट्रेनिंग पूरी कर सात दिन बाद शनिवार को वह घर लौटे तो देखा घर का ताला टूटा हुआ था।

यूपी आर्थिक प्रगति और सुशासन का प्रतीक बन चुका है, निवेशकों के लिए खोले नए द्वार

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में आयोजित ”ज्तंदेवितउपदह थ्पदंदबपंस स्ंदकेबंचम पद न्च“ कार्यक्रम में कहा कि 2017 से पहले पिछड़ा हुआ उत्तर प्रदेश आज आर्थिक तरक्की और सुशासन की मिसाल बन चुका है। उन्होंने बताया कि प्रदेश अब सुरक्षा, सुशासन और निवेश के लिहाज से देश में अग्रणी बन चुका है। कार्यक्रम में एमएसएमई, खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान, वित्त विभाग के विशेष सचिव समीर वर्मा और बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य महा प्रबंधक इंदर मोहन सिंह समेत कई अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो न केवल प्रदेश बल्कि पूरे देश के उद्यमियों के लिए उत्कृष्ट प्लेटफॉर्म है। उन्होंने बताया कि योगी सरकार के नेतृत्व में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और संगठित अपराध समाप्त हो गया है। इसके चलते प्रदेश ने आर्थिक तरक्की की नई इबारत लिखी है। वित्त मंत्री ने कहा कि विदेशी दौरों में भी लोगों ने उत्तर प्रदेश की प्रगति और विकास को सराहा है और योगी जैसे नेता की आवश्यकता जताई है।खन्ना ने बताया कि प्रदेश का बजट लगातार बढ़ रहा है। 2018 में बजट का आकार 3 लाख करोड़ था, जो आज 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। कानून व्यवस्था की स्थिति के सुधार से निवेश की गंगा बह रही है और अब तक 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आ चुका है। निवेशकों की सुविधा के लिए "निवेश मित्र" और "निवेश सारथी" जैसे ऐप बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि एफडीआई आकर्षित करने में यूपी देश में अव्वल है और अब तक 3,700 करोड़ रुपये का एफडीआई आया है।सुरेश खन्ना ने यह भी बताया कि जीएसटी सुधार से आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। प्रदेश का एक्सपोर्ट 2014 में 84,000 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 1,76,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। राज्य की आय और राजस्व सरप्लस में जबरदस्त वृद्धि हुई है और यूपी देश में अग्रणी बन चुका है।एमएसएमई, खादी और ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने कहा कि एमएसएमई प्रदेश का सबसे बड़ा रोजगार देने वाला सेक्टर है। जीएसटी सुधारों के बाद इस सेक्टर में और अधिक तरक्की के द्वार खुले हैं। उत्तर प्रदेश अब उद्यम प्रदेश बन रहा है। उन्होंने बताया कि युवा उद्यमियों के लिए ऋण की सुविधा बढ़ाई जा रही है और अब तक सात लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। सचान ने बैंकों से अपील की कि कोई भी युवा ऋण से वंचित न रह जाए और एमएसएमई के लिए विशेष क्रेडिट कार्ड योजना लागू करने पर विचार किया जाए।इस प्रकार, यूपी अब आर्थिक विकास, निवेश आकर्षण और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

बीएसएनएल के रजत जयंती वर्ष पर देशभर में स्वदेशी 4जी टावरों का शुभारंभ

लखनऊ, (संवाददाता)। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने अपनी स्थापना के 25वें वर्ष पर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा के झारसुगुडा से देशभर में 97,500 स्वदेशी 4जी टावरों का उद्घाटन किया। लगभग 37 हजार करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले इस परियोजना में बीएसएनएल की हिस्सेदारी 92,600 टावरों की रही है। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण पूरे देश में हुआ और लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की उपस्थिति में इसका समवर्ती आयोजन संपन्न हुआ।बीएसएनएल ने इस प्रयास के माध्यम से देश के दूरदराज, सीमावर्ती और उग्रवाद प्रभावित इलाकों तक संचार सेवाओं का दायरा बढ़ाया है। करीब 26,700 असम्बद्ध गांव अब नेटवर्क से जुड़ गए हैं और इसके माध्यम से लगभग 20 लाख नए उपभोक्ताओं को लाभ मिलने का अनुमान है। यह पहल कंपनी की वित्तीय पुनर्बहाली और डिजिटल भारत अभियान की दिशा में एक बड़ा कदम है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि लंबे समय तक भारत को 2जी, 3जी और 4जी सेवाओं के लिए विदेशी कंपनियों पर निर्भर रहना पड़ा, लेकिन अब स्वदेशी तकनीक के दम पर बीएसएनएल ने नया इतिहास रचा है। उन्होंने इस अवसर पर 'चिप से लेकर शिप तक' सबकुछ भारत में तैयार करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि देश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से अग्रसर है। प्रधानमंत्री ने ओडिशा की सराहना करते हुए यह भी उल्लेख किया कि अब राज्य में सेमीकंडक्टर माइक्रोचिप उत्पादन की शुरुआत होगी, जो भविष्य की इलेक्ट्रॉनिक क्रांति के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

उत्तर प्रदेश में विश्व पर्यटन दिवस 2025 का उत्सव, सतत परिवर्तन और पर्यटन संवर्धन पर जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश ने राज्यभर में विश्व पर्यटन दिवस 2025 बड़े उत्साह के साथ मनाया, जिसमें शहर और गांव के लोग 'पर्यटन और सतत परिवर्तन' की थीम के तहत एकजुट हुए। इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने आगरा में उच्चीकृत क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय के पर्यटन सूचना केंद्र का उद्घाटन किया। तत्पश्चात छात्रों के समूहों को इको, हेरिटेज और आध्यात्मिक पर्यटन के लिए रवाना किया गया। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में पर्यटन हमेशा ही एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सतत परिवर्तन की दिशा में पर्यटन को समावेशी और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनाना आवश्यक है। आगरा में आयोजित समारोह में राज्यभर से आए छात्र, सांस्कृतिक प्रतिनिधि और पर्यटन हितधारक उपस्थित रहे। क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय का उद्घाटन स्थानीय समुदायों और आगंतुकों के लिए बेहतर सेवाओं की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित मान्यवर कांशीराम प्रबंधन संस्थान (एमकेआईटीएम), लखनऊ में भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य अमृत अभिजात की गरिमामय उपस्थिति रही, जबकि विशेष सचिव पर्यटन ईशा प्रिया ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि पर्यटन केवल मनोरंजन या भ्रमण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह संस्कृतियों के मेल, पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय समुदायों के आर्थिक उत्थान और सांस्कृतिक धरोहर के संवर्द्धन का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री फेलोशिप विजेता ज्योति तिवारी (बलरामपुर), आदित्य त्यागी (मुजफ्फरनगर) और अभिलाष गुप्ता (सीतापुर) को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। एमकेआईटीएम के छात्रों ने गणेश

वंदना, लोक और शास्त्रीय नृत्य, जन्माष्टमी और दुर्गा पूजा पर आधारित प्रस्तुतियों, साथ ही पर्यटन आधारित नुक्कड़ नाटक से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। प्रदर्शनी के माध्यम से छात्रों ने राज्य की समृद्ध विरासत और परंपराओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।46वें विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर ग्रामीण पर्यटन पर आधारित कार्यक्रम भी प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित किए गए। अयोध्या, गोंडा के वजीरगंज, रायबरेली के गौरा खसपरी, सीतापुर, लखनऊ के काकोरी दशहरी, हरदोई, लखीमपुर खीरी, उन्नाव, बस्ती, गोरखपुर और अमेठी सहित अन्य जिलों में बच्चों द्वारा चित्रकारी, पौधरोपण, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। कई जिलों में हेरिटेज वॉक, निबंध लेखन, प्रभात फेरी और स्थानीय व्यंजनों पर चर्चा भी आयोजित की गई। इन आयोजनों में पर्यटन अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रही और बच्चों को पुरस्कार भी वितरित किए गए।उन्नाव में उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति–2022 और विश्व पर्यटन दिवस की थीम पर परिचर्चा हुई। होमस्टे मालिकों के साथ विचार–विमर्श और प्रशिक्षित प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कन्नौज में हस्तशिल्प स्टॉल, लोक संगीत और एग्रो–टूरिज्म स्थल का भ्रमण कराया गया। गोरखपुर मंडल में हाल ही में पंजीकृत संपत्तियों को निवेश मित्र के तहत एग्रो–प्रॉपर्टी प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।यूपी इको–टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड ने छात्रों के लिए विशेष एक–दिवसीय शैक्षिक पर्यटन कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें लखनऊ और कानपुर के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों को चिड़ियाघर और रिजर्व फॉरेस्ट का शैक्षिक भ्रमण कराया गया।

दिव्यांग बच्चों के पुनर्वास के लिए नई कमेटी ने ली जिम्मेदारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के रूहट्टा स्थित राजेश स्नेह ट्रस्ट ऑफ एजुकेशन दिव्यांग बच्चों का स्कूल एवं पुनर्वास केंद्र की नई कार्यकारिणी का गठन का कार्यक्रम नगर के एक निजी होटल में सम्पन्न हुआ। जिसमें डॉ राम नारायण सिंह को अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष क्रमशः प्रदीप मिश्रा,अनिल गुप्ता,डॉ राजेश कुमार गुप्ता,सचिव किरन,सह. सचिव क्रमशः डॉ प्रज्ञा मिश्रा,अमित पाण्डेय,कोषाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव,सह कोषाध्यक्ष क्रमशः पंकज सिंह,अभिषेक गुप्ता सदस्य क्रमशः अवधेश गिरी,अमित निगम,अरुण सिंह,विश्व प्रकाश श्रीवास्तव,राजेश मौर्य,राकेश सिंह,मनोज कुमार यादव,रविकांत जायसवाल,डॉ रसिकेश,कपिल गुप्ता,रेखा त्रिपाठी,रेखा सिंह ,सलमान शेख एवं मीडिया प्रभारी राजीव पाठक को बनाया गया। फिर सभी लोगों ने सामूहिक रूप से डॉ संदीप पांडेय को संस्था का संरक्षक बनाया गया। बैठक में दिव्यांग बच्चों के शिक्षा इलाज और भोजन उपलब्धता व सुचारू रूप से आवागमन पर गहन चर्चा हुई। भोजन बनाने हेतु बर्तन के लिए अरुण सिंह ,राम नारायण सिंह , शरद साहू,राकेश सिंह राजीव पाठक ने सहयोग बात कही।जबकि दिव्यांग बच्चों के भोजन हेतु संपूर्ण चावल की उपलब्धता हेतु अनिल गुप्ता ने जिम्मेदारी ली,रेखा त्रिपाठी ने गैस सिलेंडर ,रेखा सिंह ने गैस चूल्हा , राम नारायण सिंह ने भोजन बनाने वाले में लगने वाले खर्च के वहन की जिम्मेदारी ली। अभिषेक गुप्ता ने सभी दिव्यांग को ठंड में जूते मोजे देने,दिव्यांग बच्चों के इलाज हेतु अरुण सिंह, व नवीन मिश्रा ने चिकित्सकों के पैनल बना कर निःशुल्क इलाज,खाद्य सामग्री जैसे दाल आटा मसाला इत्यादि की उपलब्धता हेतु अरुण सिंह व डॉ राजेश कुमार गुप्ता ने जिम्मेदारी ली। दिव्यांग बच्चों के सुचारू आवागमन हेतु अरुण सिंह और अजय श्रीवास्तव ने सहयोग की जिम्मेदारी ली। शिक्षिका हेमू को बच्चों के प्रति अत्यंत समर्पण के कारण अध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया गया । उक्त कार्यक्रम में रिशु गुप्ता ,राजेश गुप्ता ,राहिल शेख,श्रेया ,नैंसी, प्रियांशी,विष्णु प्रिया,अनुज पटेल मनीष सिन्हा उपस्थित रहे।

चौकी इंचार्ज के खिलाफ ग्रामीण लामबंद एसपी डीएम से किया शिकायत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। रामपुर थाना क्षेत्र के औरा गांव के दर्जनों ग्रामीणों ने सोमवार को जिलाधिकारी (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) से मुलाकात कर जमालापुर चौकी इंचार्ज के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। ग्रामीणों का आरोप है कि चौकी इंचार्ज ने उनके साथ गाली–गलौज की और धमकी दी। शिकायतकर्ता अरविंद कुमार ने बताया कि यह मामला पीडब्ल्यूडी द्वारा नाली निर्माण से जुड़ा है। नाली निर्माण के दौरान जो भी दीवारें या घर रास्ते में आ रहे हैं, उन्हें तोड़ा जा रहा है। हालांकि, नाली के सामने एक प्रवेश द्वार गेट भी है, जिसे कुछ लोग हटाने से रोक रहे थे। अरविंद कुमार ने इस संबंध में क्षेत्रीय विधायक डॉ. आर.के. पटेल से शिकायत की थी। विधायक ने जमालापुर चौकी इंचार्ज को फोन पर और अपने लेटर पैड के माध्यम से निर्देश दिया था कि लेखपाल को साथ लेकर मौके पर जाएं और उस गेट को हटवाएं। विधायक के निर्देश के बाद चौकी इंचार्ज अपने दीवान के साथ मौके पर पहुंचे। अरविंद कुमार का आरोप है कि जब उन्होंने गेट हटाने की बात की, तो चौकी इंचार्ज और दीवान ने उन्हें मां–बहन की गालियां दीं। चौकी इंचार्ज ने कथित तौर पर कहा, औकात में रहो, नहीं तो तुम धोबी हो तो मैं भी धोना जानता हूं और तुम्हारे ऊपर मुकदमा कर दूंगा, जिससे तुम्हारी जिंदगी बर्बाद हो जाएगी।" उन्होंने विपक्षियों का पक्ष लिया और विधायक के कहने पर भी गेट हटाने से इनकार कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि चौकी इंचार्ज के इस रवैये से कन्नौजिया बस्ती के लोगों में काफी नाराजगी है। वे इस मामले में न्याय की मांग कर रहे हैं और चौकी इंचार्ज के खिलाफ उचित कार्रवाई चाहते हैं।

संक्षिप्त खबरें

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, यूपी चन्द्रशेखर ने ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक आन्तरिक निरीक्षण किया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 29 सितम्बर । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में सोमवार को अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश चन्द्रशेखर जी द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक/आन्तरिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा हाल एवं दरवाजे पर स्टिकर लगवाने एवं सीसीटीवी कैमरा की निरन्तर देखभाल हेतु निर्देशित किया गया। जिस पर सभी राजनैतिक दलों के अध्यक्ष/मंत्री द्वारा सहमति व्यक्त करते हुए वेयरहाउस में मशीनों के रख–रखाव पर सन्तोष व्यक्त किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र, उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयबर चौहान, जिला पंचायत राज अधिकारी/प्रभारी अधिकारी,ईवीएम/वीवीपैट नवीन कुमार सिंह एवं समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीयध्राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के 2047 के विजन को लेकर सीएम योगी ने किया संवाद

सुलतानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 के विकसित भारत विजन को साकार करने के लिए देशभर में चल रही कवायद के तहत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी निकायों और नगर पालिकाओं के अध्यक्षों व बोर्ड सदस्यों से सीधा संवाद किया इस ऐतिहासिक अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल सहित पालिका बोर्ड के सदस्य मौजूद रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल संवाद के माध्यम से प्रधानमंत्री के विजन की विस्तृत रूपरेखा रखते हुए कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाने के लिए स्थानीय निकायों की भूमिका सबसे अहम होगी उन्होंने नगर पालिकाओं से अपील की कि वे शहरों में बेहतर बुनियादी ढाँचे, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और स्मार्ट प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि यह बड़े सौभाग्य की बात है कि नगर पालिका को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विशेष रूप से संवाद के लिए चयनित किया उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने सीधे उनसे बातचीत करते हुए नगर के विकास और प्रधानमंत्री के 2047 विजन को धरातल पर उतारने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

पिकअप और बाइक की टक्कर में पांच लोगों की मौत

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) यूपी के हरदोई में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। एक ही बाइक पर सवार पांच लोगों की पिक अप की टक्कर से मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि पिक अप भी खाई में घुस गई। मरने वालों में दो महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है। बाइक पर पति–पत्नी, बहन–भांजा और साला सवार होकर मुंडन संस्कार से लौट रहे थे। हादसा हरदोई–बिलग्राम हाईवे पर सुरसा तिराहा के पास हुआ। सूचना पाकर एसडीएम सदर, सीओ सिटी व स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। एंबुलेंस मंगाकर सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। खुद पुलिस वालों ने एंबुलेंस वालों के साथ मिलकर एक–एक शव को गाड़ी में चढ़ाया। एक साथ पांच लोगों की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। संयोग से जिस बच्चे का मुंडन था वह किसी अन्य वाहन पर था। सुरसा थाना क्षेत्र के भीठा गांव निवासी संदीप (26) वर्ष के तीन वर्षीय बेटे कार्तिक का सोमवार को हरदोई के बाबा मंदिर में मुंडन संस्कार था। मुंडन संस्कार धूमधाम से करने के बाद अपराह्न करीब तीन बजे सभी वापस लौट रहे थे। कार्तिक तो किसी अन्य वाहन पर था लेकिन संदीप ने अपनी बाइक पर साले संतराम (30 वर्ष), पत्नी संगीता (28 वर्ष), बहन मोनी (27 वर्ष), भांजे आशू (10 वर्ष) को बैठा लिया। भीठा गांव जाते समय बीच रास्ते में हरदोई बिलग्राम हाईवे पर सुरसा तिराहा के पास बिलग्राम की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे लोडर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार पांचों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि पिक अप अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे खाई में चला गई। हादसे की जानकारी पाकर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची।

एसडीएम सदर सुशील मिश्रा सीओ सिटी अंकित मिश्रा व सुरसा पुलिस ने पिक अप व बाइक को कब्जे में लिया है। बताया गया है कार्तिक दूसरे साधन के जरिए घर जा रहा था। वह बच गया। हादसे को अंजाम देने वाले पिक अप का चालक भाग जाने में सफल रहा। हादसे के दौरान घटनास्थल पर भीड़ इकट्ठा हो गई। कुछ देर के लिए यातायात भी बाधित हुआ।

आर एल पाण्डेय बने ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष

लखनऊ (अम्बरीष कुमार सक्सेना) ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ सिंह ने लखनऊ जिला अध्यक्ष आर एल पाण्डेय को मनोनयन पत्र सौंपा। जिसमें ग्रापए के जिला महामंत्री वरिष्ठ पत्रकार आर एल पाण्डेय की उत्तम कार्यशैली के देखते हुए उन्हें सर्व सहमति से लखनऊ जिला का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष आर एल पाण्डेय को मनोनयन पत्र सौंपते हुए ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र नाथ सिंह ने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि हमारे साथी पत्रकार आर एल पाण्डेय अपने पद की गरिमा को बनाये रखते हुए अपने क्षेत्र में पत्रकारों के शोषण व उत्पीड़न की आवाज को मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के मान सम्मान के साथ कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। यदि किसी भी पत्रकार के साथ कही भी उत्पीड़न या शोषण की शिकायत मिली तो ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उसकी लड़ाई जनपद स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक लड़ने के लिए हर समय तैयार है।उन्होंने कहा कि आर एल पाण्डेय के नेतृत्व में संगठन जनपद में तेजी से आगे बढ़ेगा।

जिलाध्यक्ष आर एल पाण्डेय ने सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि ग्रापए पत्रकार हितों के लिए हमेशा संकल्पित रहा है। पिछले कई दशकों से ग्रामीण पत्रकारों व पत्रकारिता हित में मजबूती के साथ काम करने वाले संगठन ने मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन करते हुए पत्रकार हितों को सर्वोपरि रखने का कार्य करुंगा व संगठन की मजबूती के लिए मैं हमेशा संघर्षशील रहूंगा।

प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ सिंह ने उपाध्यक्ष कैप्टन वीरेंद्र सिंह, ओमप्रकाश द्विवेदी, महामंत्री डॉ संजय द्विवेदी, डॉक्टर नरेश पाल, डॉक्टर के जी गुप्ता, मंत्री नागेश्वर सिंह, जयप्रकाश गोविंद राम, डॉक्टर बीबी गौर, कोषाध्यक्ष छोटे लाल चौधरी, संप्रेक्षक हौसिला प्रसाद त्रिपाठी, संगठन मंत्री अजय भाटिया,प्रचार मंत्री राजेश अग्रहरि,सदस्य सुधाकर मिश्रा,रामसुंदर यादव, रोहिताश्व वर्मा,प्रदीप राय, गजेन्द्र कुमार सिंह, राकेश सिंह कछवार,अमरजीत सिंह की उपस्थिति में मनोनयन पत्र सौंपा। सभी ने लखनऊ के नव मनोनीत जिलाध्यक्ष आर एल पाण्डेय को यशस्वी भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त खबरें

मिशन शक्ति अभियान के तहत एसपी ग्रामीण ने आटो हुड पर ब्रांडिग कराकर किया प्रचार प्रसार की शुरुवात

अयोध्या। मिशन शक्ति अभियान फेज –5 के तहत सोमवार को डीजी यू0पी0 112 के निर्देश पर यू0पी0 112 एवं उ0प्र0 पुलिस द्वारा प्रदत्त की जा रही 'नम्बर एक सेवाएं अनेक' के तहत आपात सेवाओं (जैसे पुलिस, फायर, मेडिकल आदि), महिला पीआरवी नाइट स्कोर्ट एवं सवेरा योजना आदि के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए जिले के सभी थाना क्षेत्रों में संचालित आटो हुड पर ब्रांडिंग कराकर व्यापक प्रचार प्रसार किया गया।इस अभियान की शुरुवात 'मिशन शक्ति अभियान के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी' ने किया।इस मौके पर उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति अभियान के तहत अधिक से अधिक महिलाओ, छात्राओं के साथ साथ लोगों को जागरूक करना है।जिससे केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के साथ–साथ अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी मिल सके। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत जनपद के सभी थाना क्षेत्र में संचालित आटो हुड पर उक्त ब्रांडिंग लगाया जा रहा है।

नागरिक सुरक्षा गोमती नगर के ऐश्वर्य शर्मा बने डिप्टी डिवीजनल वार्डेन

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय)। नागरिक सुरक्षा के नियंत्रकधजिलाधिकारी विशाख जी ने ऐश्वर्य शर्मा को गोमतीनगर प्रखंड का डिप्टी डिवीजनल वार्डेन नियुक्त किया है। गोमतीनगर निवासी ऐश्वर्य शर्मा लंबे समय से नागरिक सुरक्षा कोर से जुड़े रहे हैं। उनका कार्यकाल तीन साल की अवधि तक रहेगा। ऐश्वर्य शर्मा ने नागरिक सुरक्षा कार्यालय पहुंच कर गोमतीनगर प्रखंड के डिप्टी डिवीजनल वार्डेन पद का कार्यभार उपनियंत्रक रविंद्र कुमार एवं वरिष्ठ सहायक उप नियंत्रक श्री मनोज वर्मा जी के समक्ष ग्रहण किया। मौके पर सहायक उपनियंत्रक ऋषि कुमार, डिवीजनल वार्डेन गोमती नगर नफीस अहमद मौके पर मौजूद रहें। नवनियुक्त डिप्टी डिविजनल वार्डेन ऐश्वर्य शर्मा ने नागरिक सुरक्षा के नियंत्रकधजिलाधिकारी विशाख जी एवं चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्रा का आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय समिति विसर्जन के अधिकारियो व पदाधिकारियों ने मूर्ति विसर्जन की तैयारी को लेकर किया निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। इस समय जहां दुर्गा पूजा व रामलीला महोत्सव अपने पूरी भव्यता और आकर्षण के साथ शहर में धूम मचा रहा है।वहीं केंद्रीय समिति विसर्जन की तैयारी के प्रत्येक बिंदुओं पर अपनी निगरानी रखे हुए है। इसी क्रम में राजकीय इंटर कॉलेज के प्रांगण में जहां से भव्य और विशाल सामूहिक शोभायात्रा निकलती है उसके निरीक्षण के लिए अपर जिला अधिकारी नगर योगानंद पांडे और केंद्रीय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने संयुक्त रूप से मैदान का निरीक्षण किया। अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने जिला प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि मैदान में घास की कटाई और समतलीकरण होना बहुत ही आवश्यक है इसके अलावा पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था,साउंड सिस्टम,कैंप टेंट आदि का भी प्रबंध परंपरागत रूप से किया जाए। राजकीय इंटर कॉलेज के बाहर जो भी बैरियर परंपरागत रूप से लगते रहे हैं उन्हें भी लगवाया जाए और राजकीय इंटर कॉलेज पहुंचने वाले प्रत्येक मार्ग जो क्षतिग्रस्त है उनको भी सही कराया जाए।

मिशन शक्ति फेज 5 के तहत 300 कन्याओं का किया गया पांव पूजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर शासन के निर्देश के क्रम में प्रदेश में महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन हेतु शारदीय नवरात्रि के अवसर पर 22 सितम्बर 2025 से 90 दिवसीय ''मिशन शक्ति'' विशेष अभियान के पाचवें चरण के अन्तर्गत कम्पोजिट विद्यालय बदलापुरखुर्द, बदलापुर में बेसिक शिक्षा विभाग के तत्वाधान में कन्या पूजन कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि विधायक बदलापुर रमेश चन्द्र मिश्र, विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र, जिलाध्यक्ष भाजपा सदर पुष्पराज सिंह, एएसपी गोल्डी गुप्ता सहित अन्य द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर विधिवत मंत्रोच्चार के बीच लगभग 300 बच्चो का कन्या पूजन किया गया। इस दौरान फल, उपहार और मिठाई वितरित गया। इस अवसर पर विधायक बदलापुर रमेश चन्द्र मिश्र द्वारा कहा गया कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा महिलाओंध्बालिकाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य, सम्मान और सशक्तिकरण हेतु लगातार कार्य किया जा रहा है जिससे हमारी नारी शक्ति सशक्त हो रही है। उन्होंने कहा कि अब महिलाओ को किसी से डरने या भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है, महिलाओ को अपने अधिकार और कर्तव्यों के बारे में जागरूक होने की आवश्कता है। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र द्वारा बालिकाओं से संवाद करते हुए कहा गया कि आप सभी शक्ति स्वरुप हैं, निडर होकर समाज में रहे। उन्होंने कहा कि बालिकाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस विभाग सहित समस्त विभाग द्वारा बृहद स्तर पर मिशन शक्ति के अंतर्गत जनपद में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है, आज बालिकाओं को प्रत्येक क्षेत्र में बढ़ चढ़ कर भागीदारी निभाने की आवश्कता है। इस दौरान जिलाधिकारी ने स्कूल की छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा मिशन शक्ति फेज 5 प्रारंभ किया गया है। महिलाओं और बालिकाओं के साथ होने वाले अपराधों के प्रभावी रोकथाम और उनके लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करना प्रशासन का दायित्व है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री उ0प्र0 द्वारा विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर जारी किया गया है जिसमें 1090 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 108 (एम्बुलेंस), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 102 (एम्बुलेंस) और 1098 (चाइल्डलाइन) जैसे महत्वपूर्ण नंबरों आदि के बारे में जानकारी दी गयी। एएसपी ने महिला हेल्प लाइन नम्बर 1090, 112, और 181 आदि के सन्दर्भ में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में मिशन शक्ति फेज–5 के तहत इसी तरह कार्यक्रम चलते रहेंगे, जिसमें बालिकाओं और महिलाओं को निडर होकर आगे बढने और अन्याय के प्रति डटकर सामना करने, महिलाओं की सुरक्षा और उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा स्वावलंबन के लिए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर की जानकारी पंपलेट के माध्यम से दी गई। इस अवसर पर एसडीएम बदलापुर, सीओ बदलापुर, बेसिक शिक्षा विभाग के अध्यापक, बच्चे सहित सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे।

महिला एसओ व उनकी टीम ने पार्को,चौराहों पर महिलाओ को मिशन शक्ति फेज-5 के तहत कर रही जागरुक

अयोध्या।एसएसपी डाक्टर गौतम ग्रोवर व मिशन शक्ति फेस 5 के नोडल प्रभारी एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर सोमवार को महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने उप निरीक्षक संजीव मिश्रा के व महिला पुलिस कर्मियों ने साथ शहर के कंपनी गार्डन, गुलाबबाडी व अन्य प्रमुख चौराहे पर जाकर महिलाओ व लडकियो को मिशन शक्ति फेज 5 के महत्व के बारे मे बताया। इस मौके पर उनके अलावा मिशन शक्ति बीट महिला कर्मियों ने मौजूद महिलाओ व लडकियो को अस्वस्थ किया कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जो भी योजनाएं चलाई जा रही हैं वह आपके हित में है साथ ही साथ महिलाओं की सुरक्षा को लेकर महिला पुलिस काफी सतर्क दिखाई दे रही है।इस मौके पर उन्होंने से कहा कि अगर आपको इस समय खास कर दुर्गा पूजा व आने वाले दिनों में किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना का अंदेशा हो तो बिना झिझक अपने नजदीकी पुलिस कर्मियों तथा अपने परिजनों को बताएं। इस मौके पर उन्होंने विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।इस मौके पर उप निरीक्षक संजीव मिश्रा,महिला उप निरीक्षक सोनी, प्रिया, कांस्टेबल शशिलता, रितु, सोनी, लक्ष्मी, नेहा मिश्रा, रोली, रंगीता साहनी, प्रेया, ममता पाठक सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रही।

वलीपुर व्यापार मंडल की नई कमेटी का गठन, व्यापारियों में खुशी की लहर

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश व्यापार प्रतिनिधि मंडल के बैनर तले बल्दीराय तहसील क्षेत्र के वलीपुर व्यापार मंडल की नई कार्यकारिणी का गठन रविवार को किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया। नई जिम्मेदारियां मिलने पर व्यापारियों में उत्साह का माहौल रहा।जिला अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह, युवा जिला अध्यक्ष बृजेश वर्मा और वरिष्ठ महामंत्री मोहम्मद इलियास खान की मौजूदगी में हुई बैठक में सचिन जायसवाल को अध्यक्ष और संतोष यादव 'इंदल' को महामंत्री चुना गया। इसके साथ ही नवनीत अग्रहरि को कोषाध्यक्ष, शिवम जायसवाल, विपिन मिश्रा व अखिल अग्रहरि को मंत्री, तथा आदर्श अग्रहरि और आलोक जायसवाल, नितिन मोदनवाल को उपाध्यक्ष बनाया गया।वहीं सूरज यादव, विपिन यादव और सोनू अग्रहरि को मंत्री,आनंद पांडे,पवन सिंह को संरक्षक व सलाहकार, पिंटू विश्वकर्मा, आशुतोष जायसवाल और शिवम जायसवाल को महासचिव की जिम्मेदारी दी गई। मोहम्मद नदीम, अंकित यादव और राजकरन विश्वकर्मा को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह ने कहा कि संगठन हमेशा व्यापारियों के साथ खड़ा है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करेगा। युवा जिला अध्यक्ष बृजेश वर्मा ने कहा कि व्यापारियों की एकजुटता ही संगठन की ताकत है। नई कार्यकारिणी के गठन पर वरिष्ठ भाजपा नेता रामचंद्र मिश्रा, बल्दीराय ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह, ब्लॉक प्रमुख कुंवर बहादुर सिंह और युवा समाजसेवी जितेंद्र मिश्रा उर्फ जीतू समेत तमाम व्यापारियों ने पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

ड्रोन को लेकर फर्जी अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ दर्ज की जाएगी एफआईआर होगी शक्त कार्यवाही – आयुष श्रीवास्तव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद में लगातार ड्रोन की घटना को देखते हुए पुलिस लगातार इस पर मॉनिटरिंग कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग रात भर जाकर अपने घरों पर पहरा दे रहे हैं। कहानी–कहानी ड्रोन दिखाई देने की खबर मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच भी रही है। लेकिन पुलिस द्वारा अभी तक कहीं कोई ड्रोन नहीं पकड़ा गया है।इस मामले में सोमवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधिक्षक शहर आयुष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पूरे जनपद में बीते कुछ दिनों से ड्रोन सेटिंग की खबरें आ रही हैं इसको देखते हुए जौनपुर पुलिस थाना की पुलिस और पीआरबी वैन लगातार सक्रिय हैं क्षेत्र में भ्रमणशील हैं ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में लगातार घूम रहे हैं इसको देखते हुए कुछ क्षेत्रों से फेक ड्रोन की खबरें सामने आ रही हैं ताज मामला सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र का है जहां ड्रोन की शिकायत सामने आई थी तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची तो वह खिलौने वाला ड्रोन पाया गया। इस पर तुरंत प्राथमिक की लिखा गया। इसी क्रम में मडियाहू में भी ड्रोन दिखाए जाने की जानकारी मिली इस पर जब हमारी पुलिस मौके पर पहुंची तो एक पतंग में ब्लू एलइडी लाइट लगाई गई थी लोगों से अपील है कि इस तरह की फेक खबरें आ रही है। जिससे कि लोगों में दहशत का माहौल बनाया जाए हमारी पुलिस टीम लोगों को यह बताना चाहती है कि लोग डारेना और जहां प्रशासन द्वारा या स्वयं जब कुछ देखें इस पर विश्वास करें आजकल कुछ पुराने वीडियो भी वायरल किया जा रहे हैं जिसमें ड्रोन उड़ता दिखाई जा रहा है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।